

आजाद सिपाही

झारखंड में दो चरण में होने वाला चुनाव

अधिवेशन	18 अक्टूबर 22 अक्टूबर
नामनिर्देश	25 अक्टूबर 29 अक्टूबर
नामनिर्देश की शुरुआत	28 अक्टूबर 30 अक्टूबर
मतदान की शुरुआत	30 अक्टूबर 01 नवंबर
मतदान	13 नवंबर 20 नवंबर

81 41
नतीजे 23 नवंबर

रांची

बुधवार, वर्ष 09, अंक 354

भट्टको मत हेमंत, मुद्दों पर अटको!

2019 के चुनाव से पहले किए गए 300+ वादों से भागो मत हेमंत, जिम्मेदारी निभाओ!

संक्षिप्त
सरकार बनी, तो तीन और उपराजधानियां बनायेंगे : हेमंत सोरेन



झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की बदलाव महारेली शनिवार को राजधानी के हरमू प्रेदा में हुई। भारी वादों के बाद भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जुटे थे। राेली में पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने घोषणा की है कि राज्य में झामुमो की सरकार 2019 वनी तो एक राजधानी के साथ-साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी। दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

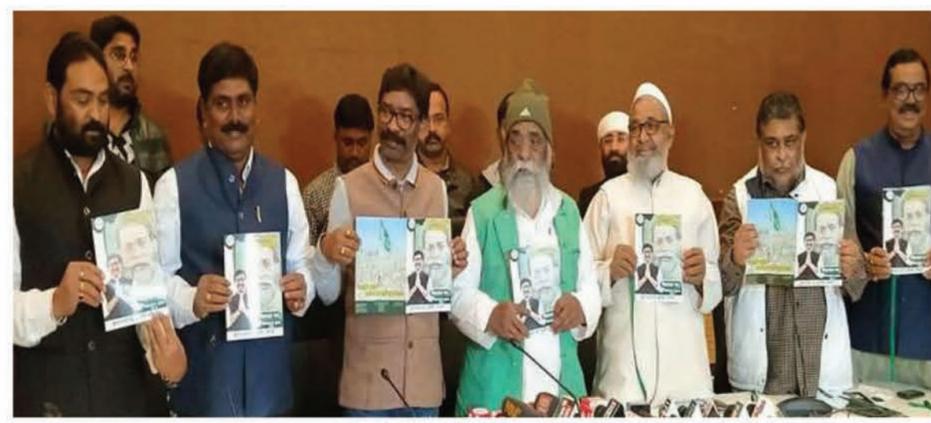
दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

दुमका पदले से ही है। इसके अलावा चाईबासा, पलामू और हजारीबाग को भी उपराजधानी बनाया जायेगा, हेमंत सोरेन ने और भी कई वादों को साक्ष्य के साथ चार उपराजधानियां भी बनेगी।

सरकार बनी तो एक साल में 5 लाख नौकरी



झामुमो की सरकार बनी, तो एक साल में पांच लाख नौकरी देने और नहीं दे पाने पर राजनीति से संन्यास ले लेंगे, यह घोषणा विपक्ष झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को कदमा उल्लिखित स्थित शहीद निर्मल महतो के 32वां शहादत दिवस पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा कि सरकार बनी, तो 25 करोड़ रुपये तक लोगों को दी जायेगी। साथ ही प्राइवेट नौकरी में भी स्थानीय लोगों का 75 फीसदी आरक्षण तय करेंगे, हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार नहीं बल्कि संकट है, उन्होंने किसानों को तीन हजार व केंद्र सरकार से बैंक खाते में मिलने वाली राशि को खेरत करार दिया, का झारखंडी लोगों का जल, जंगल जमीन है, वे खेत के मोहताज नहीं है। इस दिन के लिए सिद्धो-कान्ठ से लेकर हजारों लोगों ने कुर्बानी नहीं दी।

शहीद निर्मल महतो शहादत दिवस पर बोले हेमंत सोरेन

झामुमो के 'निश्चय पत्र' में हर वर्ग के लिए सुनहरे वादे

- सरकार बनते ही पाँच लाख सरकारी नौकरियों की व्यवस्था।
- सरकारी नौकरी न मिलने पर स्नातक को 5,000 रुपये तथा स्नातकोत्तर को 7,000 रुपये प्रति माह भत्ता।
- निर्धन परिवार की नवविवाहिताओं को सोने का सिक्का उपहारस्वरूप।
- महिलाओं को आधार कार्ड पर बिना गारंटी 50,000 रुपये का ऋण।
- गरीब महिलाओं को 2000 रुपये प्रतिमाह चूल्हा खर्च।
- धान का खरीद मूल्य 2300 से 2700 रूपर प्रति क्विंटल।
- सभी गरीब परिवार को 72 हजार रूपर हर साल सुनिश्चित राशि।
- वृद्धापेंशन 2500 रूपर प्रति माह, 10 रूपर में धोती, साड़ी, लुंगी।
- जन वितरण दुकानों से गरीबों को चायपत्ती, सरसों तेल, साबुन, सब्जियां एवं दल।
- गरीब परिवारों को तीन कमरों के सुविधायुक्त आवास निर्माण के लिए तीन लाख रूपर।

भूमि अधिकार कानून बना कर हर भूमिहीन को भूखंड

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर झामुमो की ओर से मंगलवार को 20 पन्नों का निश्चय पत्र जारी किया गया, झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष शिवू सोरेन से अनुमति लेकर पार्टी की ओर से निश्चय पत्र जारी किया गया, कार्यकारी अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष हेमंत सोरेन ने कहा कि झामुमो का निश्चय पत्र आनेवाले समय में राज्य को नयी दिशा देगा, उन्होंने कहा कि भूमि अधिकार कानून बना कर सभी स्थानीय भूमिहीनों को भूखंड उपलब्ध कराया जायेगा, 25 करोड़ रुपये तक के सरकारी कार्यों की निविदा सिर्फ स्थानीय लोगों को दी जायेगी, स्थानीय रोजगार अधिकार कानून बना कर राज्य के निजी क्षेत्रों में 75 प्रतिशत नौकरियां स्थायी लोगों के लिए आरक्षित की जायेगी, स्थानीय व नियोजन नीति को बदल कर झारखंडियों के हितों के अनुरूप बनायी जायेगी, यह पूछे जाने पर क्या स्थानीय नीति का आधार 1932 का खतियान होगा? श्री सोरेन ने कहा कि यहां के लोगों की जनभावना के अनुरूप स्थानीय

झामुमो का चुनावी वादा - 75% नौकरियां झारखंडियों के लिए

कह रहे हैं कि सरकार भाजपा की ही बनेगी, चाहे झामुमो का क्यों नहीं साथ लेना पड़े, श्री सोरेन ने कहा कि भाजपा के लोग यह भी कह रहे हैं कि हम हारे जा जीते सरकार हम ही बनायेंगे, भाजपा देश में नये नये राजनीतिक इतिहास रच रही है, इसे धब्बे के रूप में देखा व बाद किया जायेगा, महाराष्ट्र में सरकार बनने को लेकर लोकतंत्र की हत्या की गयी, उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य की राजधानी आइना होती है, आज रांची में कोई ऐसा दिन नहीं गुजर रहा है कि जब लूट, हत्या, दुर्कर्म या छेड़छाड़ की घटनाएं घट रही हैं, एक सवाल के जवाब में श्री सोरेन ने कहा कि निश्चय पत्र के माध्यम से पार्टी ने अपनी सोच जाहिर की है, यह गठबंधन का निश्चय पत्र नहीं है, इसके लिए अलग से न्यूनतम साक्षा कार्यक्रम तय किये जायेंगे, मोकै पर पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष राजी सुंदर अंसारी, पूर्व विधायक योगेंद्र महतो, केंद्रीय महासचिव विनोद पंडे, सुविधो भट्टाचार्य, अयोग मंडल समेत कई लोग मौजूद थे,

राजद ने घोषणा पत्र में महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण देने का किया वादा

राजद ने अपने घोषणा पत्र में गरीबी मिटाने, बेरोजगारी खत्म करने और पिछड़ों को आरक्षण देने को प्राथमिकता दी है। राजद के प्रदेश अध्यक्ष अमर कुमार सिंह ने रविवार को घोषणापत्र जारी कर कहा कि अगर गठबंधन की सरकार आती है तो महिलाओं को हर स्तर पर 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। बालूघाटों की नीलामी का अधिकार पंचायत को दिया जाएगा। पुराना पेंशन योजना दोबारा शुरू की जाएगी। जेपीएससी और अन्य प्रतिवोगी परीक्षा नियमित करावी जाएगी। राजद ने अपने घोषणापत्र में मेधावी छात्रों को निःशुल्क उच्च शिक्षा का वादा किया है। कॉलेज छात्रों को लैपटॉप और टैब दिया जाएगा। राज्य में बंद पड़े स्कूलों को खोला जाएगा। साथ ही पारा शिक्षकों, आंगनवाड़ी सेविका और सहायिका को स्थायी किया जाएगा। सभी जिलों में नारी उद्यान केंद्र और वृद्धाश्रम की व्यवस्था होगी। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदाय के सामाजिक-आर्थिक स्तर को बढ़ाया जाएगा।

कांग्रेस ने किया कर्जमाफी का एलान

झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने घोषणापत्र जारी किया, घोषणापत्र में पार्टी ने खेती के लिए 100 करोड़ रुपये तक के लोन को माफ करने का वादा किया है, खास बात ये है कि इसमें पशुधन क्षेत्र में शामिल लोगों पर लगे मुकदमे हटाने की बात कही गई है, CNI, SPI एक्ट समेत स्कूलों की खरसत हालत पर जोर देते हुए शिक्षा को लेकर बेहतर सुविधाएं देने का वादा किया गया है, पार्टी ने झारखंड की सभी जेल में बंद 6 महीने से सजा काट रहे (अधिकतम 7 वर्ष तक की) कैदियों को तुरंत जमानत पर रिहा करने का वादा भी किया है, यह भी वादा किया गया है कि झारखंड सरकार को तारफ से पिछले कुछ वर्षों में जिन जमीनों का अधिग्रहण किया गया है और जिसपर अभी तक कोई काम शुरू नहीं हुआ है उसे फिर से उनके मालिकों को वापस कर दी जाएगी, पार्टी ने कहा है कि छात्रों को छात्रवृत्ति संबंधित सभी वकालत राशि को तत्काल मंजूरी दी जाएगी, रांची, जमशेदपुर और धनबाद में मोटे लाइफ लोकल बनाया जाएगा,

झामुमो की सरकार बनी तो गरीब परिवार को सालाना 72 हजार रुपये

झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने कहा है कि इस वार राज्य में वृषीए गठबंधन की सरकार बनेगी, भाजपा की स्थिति दबनी है, भाजपा गुजराज, महाराष्ट्र व अन्य पड़ोसी राज्यों से लोला कर प्रचार करा रही है, इससे उसकी स्थिति समझी जा सकती है, उब उसके प्रत्याशियों को झंडा डोनेवाले भी नहीं मिल रहे हैं, श्री सोरेन ने कहा कि राज्य के मुखिया रघुवर दास मजबूत हाथी की तरह हैं, उन्होंने झारखंड को जनता के पैरों तले कुचलने का काम किया है, कहा कि इस मदमस्त हाथी के देने की जरूरत है, इस अवसर पर हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड अलग राज्य का निर्माण झामुमो व दिगोम गुरु शिवू सोरेन के संघर्ष के कारण हो सका है। मगर अभी भी जनता के सपने अंधेरे रहे गए हैं। जिसे हमारी सरकार पूरा करेगी। झामुमो की सरकार बनेगी तो राज्य से बेरोजगार युवक-युवतियां, मजदूरों का पलायन रोक दिया जाएगा। झारखंड में ही रोजगार के अवसर सृजित किए जाएंगे पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार हर मोर्चे पर फेल है तथा सिर्फ वैन पोस्टर से अपना चेहरा चमकाने में लगी है। उन्होंने कहा कि एक और जहां पीएम मंडल डेम का शिलान्यास कर रहे हैं दूसरी ओर सांसद शहीद नीलावर पीतांबर की प्रतिमा का अनावरण कर रहे हैं। मगर इन्हें यह पता नहीं कि शहीदों के गांव के लोग मंडल डेम के कारण विस्थापित हो जाएंगे। झारखंड के लोगों को दुख देकर वर्तमान सरकार विहार को पानी देने के लिए लालाचिह है। यह होने नहीं दिया जाएगा इस अवसर पर केंद्रीय महासचिव मिथिलेश कुमार ठाकुर ने कहा कि स्थानीय नीति के नाम पर राज्य को दो हिस्से में बांट दिया गया है। इससे गढ़वा समेत अन्य जिलों के बेरोजगार युवक युवतियों को नौकरी से वंचित कर दिया गया है। इससे युवाओं में काफी आक्रोश है। वर्तमान सरकार अला लोनों के हित में नहीं बल्कि अपने हित में काम कर रही है।



कांके, सिमरिया, देवघर में भाजपा प्रत्याशी को लेकर माथापट्टी

■ इन सीटों पर क्या सीटिंग विधायक दे सकेंगे फाइट

■ उम्मीदवार पांच साल रहे हवा में, वोटर करते रहे इंतजार

■ भाजपा है मजबूत, लेकिन वोटर कह रहे हैं, उम्मीदवारों पर सोचियेगा जरूर

झारखंड विधानसभा चुनाव का आगाज हो चुका है। दलों ने लगभग अपने-अपने उम्मीदवारों की सूची भी बना ली है। कहीं-कहीं पंच फंसता हुआ जरूर दिख रहा है। वहां के लिए फील्डिंग भी लगायी जा रही है। भाजपा ने भी लगभग अपने उम्मीदवार तय कर लिये हैं। लेकिन कुछ सीटें ऐसी हैं, जहां भाजपा को मंथन करने की जरूरत है। फिलहाल उम्मीदवारों के नाम अभी सामने नहीं आये हैं, लेकिन कुछ नाम ऐसे होते हैं, जो तय रहते हैं या उम्मीदवार खुद को तय मान लेते हैं। खैर आज हम बात करेंगे

कांके, सिमरिया और देवघर सीट के बारे में। ये तीनों विधानसभा सीटें भाजपा की झोली में हैं। यहां भाजपा के मतदाता हावी भी रहते हैं। लेकिन इसका बेजा फायदा उठाया है यहां के तीनों सीटिंग विधायकों ने। ये तीनों विधायक अपने-अपने क्षेत्र में उतने एक्टिव नहीं रहे, जितना जनता उम्मीद

आजाद सिपाही विशेष

कर रही थी। कोई सिर्फ शिलान्यास के दौरान पीछे-पीछे घूमता रहा, कोई हवा में घूमता रहा, तो किसी के पास क्षेत्र भ्रमण के लिए समय ही नहीं रहा। इनमें से एक विधायक का नाम तो लोकसभा चुनाव में हाथ पीछे खींचने में भी उछला था। पार्टी इसे लेकर विचार भी कर रही

थी। कोई सिर्फ शिलान्यास के दौरान पीछे-पीछे घूमता रहा, कोई हवा में घूमता रहा, तो किसी के पास क्षेत्र भ्रमण के लिए समय ही नहीं रहा। इनमें से एक विधायक का नाम तो लोकसभा चुनाव में हाथ पीछे खींचने में भी उछला था। पार्टी इसे लेकर विचार भी कर रही

है। वैसे ये तीनों सीटें भाजपा का गढ़ रही हैं, लेकिन अगर समय रहते भाजपा इन सीटों पर नहीं चेंती, तो कम से कम एक सीट तो निश्चित दगा दे ही देगी, लेकिन जनता ने दो सीटों पर अपना निर्णायक मन बनाया है। यहां ज्यादातर जनता भाजपा के साथ दिखी, लेकिन उम्मीदवारों को लेकर उनके मन में संशय की स्थिति बनी हुई है। क्या है कांके, सिमरिया और देवघर को लेकर जनता की राय और क्या रहा है इसका इतिहास, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष सवाददाता राकेश सिंह।



राकेश सिंह

सिमरिया की बीमारी को कौन करेगा ठीक, पृष्ठ रही जनता

सिमरिया विधानसभा क्षेत्र 1977 में अस्तित्व में आया था। पहले यह इलाका बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र में ही आता था। यहां से भाजपा चार, कांग्रेस दो, जेवीएम दो और राजद, भाकपा, जीएनपी को एक-एक बार जीत मिली है। सिमरिया विधानसभा क्षेत्र की जनता ने समय-समय पर अपना प्रतिनिधि तो बदला है, लेकिन जनप्रतिनिधि समस्याओं को नहीं बदल पाये। एशिया की सबसे बड़ी कोयला परियोजना मगध और आग्रपाली टंडवा में है। पर यहां के लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। आज भी रैयत नौकरी और मुआवजा की मांग को लेकर आंदोलित रहते हैं। वे मूलभूत सुविधाओं तक से वंचित हैं। क्षेत्र में विस्थापन, सिंचाई और बेरोजगारी आज भी सबसे बड़ा मुद्दा है। यहां के लोगों की उम्मीदें और भरोसा

जनप्रतिनिधियों पर से उठने लगा है। वर्ष 2019 के झारखंड विधानसभा चुनाव में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सिमरिया विधानसभा सीट किशुन दास ने जीत कर भाजपा का 12 वर्षों का वनवास खत्म किया था। इस सीट से उपेंद्रनाथ दास चार बार विधायक रहे। पहली बार वर्ष 1977 में वह जीएनपी के टिकट पर जीते थे। इसके बाद 1990, 1995 और 2005 में उपेंद्रनाथ दास भाजपा के विधायक रहे। लेकिन उपेंद्रनाथ दास के निधन के बाद हुए उपचुनाव में भाकपा के रामचंद्र राम जीत गये थे। इसके बाद हुए दोनों चुनाव में झारखंड विकास मोर्चा का कब्जा रहा। 2009 में झाविमो के जयप्रकाश भोक्ता ने जीत हासिल की, जबकि 2014 में गणेश गंडू को सफलता मिली। फिर 2019 में भाजपा के किशुन दास विधायक बने। उन्हें आजसू पार्टी के मनोज चंद्र ने कड़ी टक्कर दी थी। किशुन दास को 2019 में 61438 मत मिले थे, वहीं मनोज चंद्र को 50442 मत प्राप्त हुए थे। लेकिन अब यहां झारखंड मुक्ति मोर्चा ने भाजपा को घेरने की पुख्ता रणनीति तैयार की है। मनोज चंद्र के सहारे जेएमएम ने भाजपा के किले को ध्वस्त करने की रणनीति बनायी है। 2023 में ही मनोज चंद्र आजसू पार्टी छोड़ कर सीएम हेमंत सोरेन की मौजूदगी में जेएमएम में शामिल हो गये थे। जेएमएम में शामिल होने के बाद वह लगातार क्षेत्र में सक्रिय हैं। वहीं सिमरिया विधानसभा सीट पर कांग्रेस और आरजेडी की कोई खास मजबूत दावेदारी नहीं है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि मनोज चंद्र



जेएमएम टिकट पर सिमरिया विधानसभा सीट से इंडी अलायंस के उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में उतर सकते हैं। वर्ष 2024 में चतरा लोकसभा सीट के सिमरिया विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी को बड़ी बढ़त हासिल हुई थी। लोकसभा चुनाव में सिमरिया क्षेत्र में बीजेपी प्रत्याशी भी चुनाव प्रचार करने के लिए आये थे। इस चुनाव में बीजेपी प्रत्याशी काली चरण सिंह को 1.40 लाख वोट मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी को 66 हजार मतों से ही संतोष करना पड़ा। लेकिन यहां की जनता इस बार आर या पार के मूड में है।

ज्यादातर लोग विधायक से नाराज दिखे। विधायक का नाम सुनते ही कई लोग बिफर उठे। कहने लगे इस बार हम लोग विधायक को मजा चखायेंगे। उनका मानना था कि उन्हें भाजपा से कोई परेशानी नहीं है, लेकिन विधायक के प्रति उनका गुस्सा देखते बन रहा था। बातचीत के क्रम में यह आभास हुआ कि अगर भाजपा इस सीट पर उम्मीदवार को लेकर नहीं चेंती, तो शायद उसे मुंह की खानी पड़ेगी। सिमरिया की जनता का कहना था कि आज तक सिमरिया अपनी पुरानी बीमारी से जूझ रहा है। इसे ठीक कोई नहीं कर पाया।

अब बात देवघर की

देवघर अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित विधानसभा सीट है। देवघर विधानसभा सीट गोड्डा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। वर्ष 2019 में हुए विधानसभा चुनाव में मुख्य रूप से भाजपा और राजद के उम्मीदवार आमने-सामने थे। भाजपा ने नारायण दास को मैदान में उतारा था, वहीं राजद से सुरेश पासवान मैदान में थे। भाजपा के नारायण दास ने 95491 (41.01 प्रतिशत) वोट पाकर जीत अपने नाम की थी। वहीं राजद के सुरेश पासवान को

92867 (39.88 प्रतिशत) वोट मिले थे। फाइट काटे की थी, लेकिन अंततः जीत भाजपा के उम्मीदवार नारायण दास की हुई। बाबूलाल मरांडी की पार्टी जेवीएम की उम्मीदवार निर्मला भारती तीसरे नंबर पर थीं। नारायण दास वर्ष 2014 के विधानसभा चुनाव में भी भाजपा के उम्मीदवार के रूप में जीते थे। उन्हें 92022 (42.42 प्रतिशत) वोट मिले थे। उनके खिलाफ चुनाव लड़ रहे थे राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सुरेश पासवान। पासवान को 46870 (21.60 प्रतिशत) वोट मिले थे। लेकिन 2019 में सुरेश

पासवान ने नारायण दास को कड़ी टक्कर दी। एक वक्त्र तो लगा कि सुरेश पासवान कहीं बाजी न मार लें, लेकिन मात्र 3469 वोट से नारायण दास जीत गये। लेकिन 2024 की राजनीतिक परिदृश्य कुछ अलग है। नारायण दास को लेकर जनता में रोष है। वोटर भाजपा के पक्ष में दिखते तो हैं, लेकिन विधायक से नाराज हैं। वोटों का कहना है कि उम्मीदवार को लेकर भाजपा को विचार करना होगा। वैसे गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे और विधायक नारायण दास के बीच की कड़वाहट किसी से छिपी नहीं है। लोकसभा चुनाव के दौरान और बाद में भी इस कड़वाहट को देखा गया था।

कांके, जहां भाजपा झारखंड गठन के बाद आज तक नहीं हारी

झारखंड का कांके विधानसभा क्षेत्र अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित है। कांके विधानसभा सीट बीजेपी का गढ़ माना जाता है। झारखंड गठन के बाद हुए चार विधानसभा चुनावों में बीजेपी यहां से आज तक नहीं हारी। हर बार भाजपा ने यहां बड़े अंतर से जीत दर्ज की है। रामचंद्र बैठा ने सबसे अधिक बार कांके विधानसभा का प्रतिनिधित्व किया। चार चुनावों में वह दो बार जीते। वर्ष 2014 के विधानसभा चुनाव में कांके विधानसभा सीट से भाजपा के डॉ. जीतू चरण राम जीते। उनको कुल एक लाख 15 हजार 702 वोट मिले थे। कांके विधानसभा सीट पर डॉ. जीतू चरण राम से पहले किसी को इतना वोट

नहीं मिला था। इस चुनाव में कांग्रेस दूसरे स्थान पर रही थी। उसके उम्मीदवार सुरेश कुमार बैठा को कुल 55,898 वोट मिले थे। झामुमो इस चुनाव में तीसरे नंबर पर रही थी। उसके प्रत्याशी अशोक कुमार नाग को कुल 17,411 वोट मिले थे। वहीं वर्ष 2019 के झारखंड विधानसभा चुनाव में बीजेपी की ओर से समरी लाल चुनाव के मैदान में थे। उनको कुल एक लाख 11 हजार 975 वोट मिले और वह विधायक बने। कांग्रेस की ओर से सुरेश कुमार बैठा दूसरे स्थान पर रहे। उनको कुल 89,435 वोट मिले थे। आजसू पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले रामजीत गंडू तीसरे नंबर पर रहे। उनको कुल 29,127 वोट मिले थे। लेकिन इस बार लोगों का कहना है कि हमारे विधायक सिर्फ शिलान्यास के वक्त ही दिखाई देते हैं। बाकी समय वह अपने काम में ही व्यस्त रहते हैं। उन्होंने जनता को टेकेन फॉर ग्रांटेड ले लिया है। यह समझ से परे था कि भाजपा के मतदाता उनकी शिकायत कर रहे थे। उन्हें भाजपा से कोई परेशानी नहीं है। लेकिन उन्हें विधायक से दिक्कत है। वैसे 2019 में कांके विधानसभा सीट से समरीलाल की जीत के बाद, उनकी जाति से संबंधित मामला कोर्ट में जा पहुंचा। ऐसे में कुछ बीजेपी नेताओं का मानना है कि कांके जैसे शहरी क्षेत्र में उम्मीदवार चयन के मामले में पूरी सतर्कता बरतनी चाहिए, ताकि बाद में परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। फिलहाल समरी लाल को लेकर अभी संशय बना हुआ है। वैसे यह सीट भाजपा की पारंपरिक सीट है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र, बोले- बकाया राशि हमारा हक, हम लेकर रहेंगे



सीएम ने पत्र में लिखा है कि.....

बकाया राशि का विवरण

कुल बकाया राशि लगभग 1,36,042 करोड़ रुपये है। इसमें शामिल हैं: वॉश कोयला रॉयल्टी के रूप में 2,900 करोड़ रुपये, पर्यावरण मंजूरी सीमा के उल्लंघन के लिए 32,000 करोड़ रुपये, भूमि अधिग्रहण मुआवजे के रूप में 41,142 करोड़ रुपये (38,460 करोड़ रुपये जीएम भूमि और 2,682 करोड़ रुपये जीएमएलएल भूमि के लिए)। इस पर लगी सूद की रकम 60,000 करोड़ रुपये, कुल 1,36,042 करोड़ रुपये।

विकास पर प्रभाव

इस बकाया राशि के कारण, हमारे राज्य में अनेक महत्वपूर्ण विकास परियोजनाएं प्रभावित हुई हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला और बाल विकास, स्वच्छ पेयजल एवं मईयां, बच्चों, युवा, वृद्ध, किसान, मजदूर, आदिवासी-मूलवासी, दलित, अल्पसंख्यक, विस्थापित एवं समाज के अतिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों तक योजनाओं को लागू करने में कठिनाई हो रही है। झारखंड, एक अल्प विकसित राज्य है, जो संसाधनों की कमी से गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। संसाधनों की कमी को पूर्ण करने के लिए उपरोक्त राशि अत्यंत आवश्यक है।

पोस्ट किया है और लिखा है कि यह बकाया राशि हमारा हक है...

न्यायिक निर्णय

सर्वोच्च न्यायालय की नौ सदस्यीय पीठ ने राज्य के पक्ष में फैसला दिया है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि खनन और रॉयल्टी शुल्क वसूलने का अधिकार राज्य को है। यह भी कहा गया है कि रॉयल्टी एक कर नहीं है और इसलिए इस पर कोई सीमा नहीं लगायी जा सकती।

हमारा अनुरोध

मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप इस मामले में हस्तक्षेप करें और कोयला कंपनियों को बकाया राशि का भुगतान करने का निर्देश दें। जब तक पूरी राशि का भुगतान नहीं हो जाता, कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों को ब्याज राशि का भुगतान करना चाहिए या कोल इंडिया के खाते से राज्य के खाते में सीधे क्रेडिट किया जाना चाहिए। यह राशि झारखंड के लोगों के कल्याण और राज्य के समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

समाधान का आग्रह

हम आपसे आग्रह करते हैं कि इस मुद्दे का शीघ्र समाधान किया जाये ताकि झारखंड के लोग विभिन्न सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं का लाभ उठा सकें। यह न केवल राज्य के विकास के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि गरीबी उन्मूलन और लोगों के जीवन स्तर में सुधार के लिए भी आवश्यक है। हम आपके सकरात्मक हस्तक्षेप और त्वरित कार्रवाई की आशा करते हैं। इसके लिए झारखंड के लोगों की ओर से, मैं आपका सदैव आभारी रहूंगा।

अपने हक की बात कर रहे हैं जिसे हम हर हाल में लेकर रहेंगे।

दो चरणों में चुनाव कराने का स्वागत : बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा झारखंड में दो चरणों (13 और 20 नवंबर) में विधानसभा चुनाव कराये जाने के फैसले का भाजपा ने स्वागत किया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी समेत अन्य नेताओं ने यह भी उम्मीद जतायी है कि राज्य में सरकार बदलेगी। बाबूलाल ने एक्स पर लिखा है कि चुनाव आयोग द्वारा झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा का वे स्वागत करते हैं। बीते 5 सालों में बेरोजगारी, चुसपैठ, अपराध, भ्रष्टाचार, कुशासन, तुष्टिकरण, दलित-आदिवासी-पिछड़े समाज का



उत्पीड़न और झामुमो कांग्रेस राजद के जंगलराज से त्रस्त झारखंड की जनता-जनार्दन अब परिवर्तन चाहती है। यह चुनाव झारखंड की रोटी, बेटी और माटी की अस्मिता

को बचाने का चुनाव है। यह चुनाव आदिवासी समाज के अस्तित्व को चुसपैठियों से बचाने का चुनाव है। यह चुनाव युवा साथियों को नौकरी, रोजगार और न्याय दिलाने का चुनाव है। यह चुनाव झारखंड के गरीब, किसान, महिलाओं को उनका हक दिलाने का चुनाव है। यह चुनाव झारखंड को बचाने का चुनाव है। बाबूलाल ने विवादास्पद जताते कहा है कि इस विधानसभा चुनाव में झारखंड के मतदाता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी और एनडीए गठबंधन को प्रचंड बहुमत देकर लोक कल्याणकारी सरकार बनायेंगे। अमर बाउरी ने कहा है कि

झारखंड की अत्याचारी झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार के विदाई की अंतिम गिनती शुरू हो चुकी है। दो चरणों में चुनाव का यह निर्णय स्वागत योग्य है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने झारखंड चुनाव की घोषणा पर कहा कि चुनाव आयोग ने झारखंड में दो चरणों में चुनाव कराने का बहुत अच्छा फैसला लिया है। हमें पूरा भरोसा है कि इस चुनाव से झारखंड में हेमंत सोरेन सरकार की लूट और भ्रष्टाचार का अंत होगा। चुनाव आयोग की इस घोषणा से झारखंड मुक्ति मोर्चा को झटका लगा है। हम चुनाव आयोग के इस फैसले का स्वागत करते हैं।

जेएमएम-कांग्रेस सरकार धोखेबाजों की सरकार है : हिमंता बिस्वा सरमा

कहा-चुनाव के बाद हेमंत सरकार ने 2500 रुपये देने का झांसा दिया है

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में 14 अक्टूबर को कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें 29 प्रस्तावों की स्वीकृति मिली है। इसमें मईयां सम्मान योजना की राशि में बड़ी वृद्धि की गयी है। इसके तहत अब लाभार्थियों को दिसंबर



महीने से 1000 की जगह 2500 रुपये दिये जायेंगे। इस पर असम के मुख्यमंत्री एवं झारखंड विधानसभा चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि झारखंड की झामुमो-कांग्रेस सरकार धोखेबाजों की सरकार है। उन्होंने कहा कि पांच साल सत्ता में रहने के बाद अब सरकार चुनाव के बाद गरीबों को पैसे देने

की बात कर रही है। झारखंड की जनता जल्द ही तय करेगी कि उन्हें मोदी की सरकार चाहिए या झामुमो-कांग्रेस की सरकार। हिमंता बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट साझा कर लिखा है "झारखंड की जेएमएम-कांग्रेस सरकार धोखेबाजों की सरकार है। पांच साल सत्ता भोगने के बाद वे कह रहे हैं कि चुनाव के बाद गरीबों को ?2500 देंगे।

आजाद सिपाही



झारखंड में बज गयी चुनाव की डुगडुगी, आदर्श आचार संहिता लागू 13 और 20 नवंबर को होगा मतदान

- केवल दो चरणों में 81 विधानसभा सीटों का चुनाव होगा संपन्न
- महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की भी घोषणा, 20 नवंबर को होगा मतदान
- दोनों विधानसभा के लिए 23 नवंबर को मतगणना

झारखंड विधानसभा चुनाव 2024		
झारखंड में दो चरण में होंगे चुनाव		
	पहला चरण	दूसरा चरण
अधिसूचना	18 अक्टूबर	22 अक्टूबर
नामांकन	25 अक्टूबर	29 अक्टूबर
नामांकन की जांच	28 अक्टूबर	30 अक्टूबर
नाम वापसी	30 अक्टूबर	01 नवंबर
मतदान	13 नवंबर	20 नवंबर

कुल सीटें 81

बहुमत 41

नतीजे 23 नवंबर

झारखंड में दो चरणों में चुनाव, एक नजर में

- कुल सीटें: 81
- एससी के लिए आरक्षित: 9
- एसटी के लिए आरक्षित: 28
- कुल मतदाता: 2.60 करोड़
- पुरुष मतदाता: 1.31 करोड़
- महिला मतदाता: 1.29 करोड़
- युवा मतदाता : 66.84 लाख
- नये मतदाता : 11.84 लाख
- मतदान: 13 और 20 नवंबर
- मतगणना: 23 नवंबर

स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराना प्राथमिकता: के. रवि कुमार



मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा, विधानसभा चुनाव की हुई घोषणा, आदर्श आचार संहिता लागू

85 वर्ष से ऊपर के मतदाताओं को घर से मतदान की सुविधा

प्रजकारण के सवाल का जवाब देते हुए रविकुमार ने कहा कि मतदानों को लेकर कोई असुविधा नहीं हो. इसे लेकर व्यापक तैयारी की गयी है। चुनाव कर्मियों को इसे लेकर प्रशिक्षित भी किया गया है। मतदान केंद्रों पर मतदाताओं का इंतजार कम हो, इसकी भी व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग एक एप भी जारी करेगा, जिसके माध्यम से मतदाता मतदान केंद्रों की स्थिति, मसलन मतदान केंद्र पर कितने लोग मतदान के लिए कतार में हैं, यह जानकारी घर बैठे ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह एप बुजुर्ग मतदाताओं के लिए काफी लाभदायक होगा। वहीं 85 वर्ष से ऊपर के मतदाताओं को घर से मतदान की भी सुविधा रहेगी। इसके लिए उन्हें फार्म 12 डी भरना होगा। चुनाव प्रचार में उम्मीदवार अधिकतम 40 लाख रुपये तक खर्च कर सकते हैं।

होंगे। पहले चरण के लिए नामांकन 25 अक्टूबर तक और दूसरे चरण के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 29 अक्टूबर होगी। पहले चरण के नामांकनों की स्कूटी 28 अक्टूबर और दूसरे चरण की स्कूटी 30 अक्टूबर को होगी। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण के चुनाव को लेकर नाम वापसी की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर और दूसरे चरण के लिए नाम वापसी की अंतिम तिथि 01 नवंबर है। पूरी चुनावी प्रक्रिया 25 नवंबर को समाप्त हो जायेगी।

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली/रांची। झारखंड और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की डुगडुगी बज गयी। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने मंगलवार को नयी दिल्ली में चुनाव की तारीखों का एलान किया। झारखंड में इस बार केवल दो चरणों में 81 विधानसभा सीटों पर चुनाव संपन्न कराये जायेंगे। यहां 13 और 20 नवंबर को मतदान होगा। वहीं, महाराष्ट्र में एक चरण में 288 सीटों पर 20 नवंबर को मतदान होगा। दोनों राज्यों के नतीजे 23 नवंबर को आयेगे। झारखंड का कार्यकाल 5 जनवरी 2025 को खत्म हो रहा है। वहीं, महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को खत्म हो रहा है।

झारखंड में 11.48 लाख नये मतदाता: झारखंड में इस बार कुल 2.60 करोड़ मतदाता चुनाव में अपने मतदाधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 11.84 लाख नये मतदाता पहली बार वोट डालेंगे, जबकि 66.84 लाख युवा मतदाता भी अपने मतदाधिकार का प्रयोग करेंगे। चुनाव आयोग ने इस बार चुनाव में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये हैं। झारखंड की कई विधानसभा सीटें नक्सल प्रभावित हैं, इसलिए वहां विशेष सुरक्षा बलों की तैनाती की जायेगी। हर पोलिंग बूथ पर सीसीटीवी कैमरे

महाराष्ट्र में 288 सीटों पर 20 को मतदान

नयी दिल्ली। महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों के लिए 20 नवंबर को मतदान होगा। महाराष्ट्र विधानसभा में सरकार बनाने का जादुई आंकड़ा 145 है। विधानसभा की कुल सीटों में से 29 एससी और 25 एसटी उम्मीदवारों के लिए सुरक्षित हैं। 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति और

महाविकास अघाड़ी के बीच मुकबला है। महायुति में बीजेपी, एनसीपी, शिवसेना, मनसे, आरपीआई समेत आठ पार्टियां शामिल हैं। महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (शरदचंद पवार), समाजवादी पार्टी, स्वामिनी पक्ष, सीपीएम समेत सात दल हैं।

इवीएम पर फैक्ट के साथ जवाब दिया, प्रोसेस बतायी

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनाव घोषणा के साथ इवीएम पर फैक्ट के साथ जवाब भी दिया और इसके प्रोसेस को भी बताया। उन्होंने कहा कि लोग पूछते हैं कि किसी देश में फेजर से ब्लॉट कर देते हैं, तो इवीएम क्यों नहीं हैक हो सकती। फेजर कनेक्टेड होता है, इवीएम नहीं। छह महीने पहले इवीएम की चेकिंग शुरू होती है। पोलिंग पर ले जाना, वोटिंग के बाद वापस लाना। हर एक स्टेज पर पॉलिटेकल पार्टी के एजेंट या उम्मीदवार मौजूद होते हैं। जिस दिन कमीशनिंग होती है, उस दिन बंदी डाली जाती है। उन्होंने कहा कि वोटिंग से पांच-छह दिन पहले कमिश्निंग होती है। इस दिन सिंबल

डाले जाते हैं और बंदी डाली जाती है। बंदी पर भी एजेंट के दस्तखत डाले जाते हैं। जब इवीएम स्ट्रॉंग रूम में जाती है, यहां भी तीन लेवल की चेकिंग होती है। जिस दिन पोलिंग के लिए निकलेंगे, तब भी यही प्रोसेस होगी। वीडियोग्राफी होगी। नंबर भी शेयर होंगे, ये मशीन इस बूथ पर जायेगी। फिर चेकिंग होगी, वोट डाल कर देखे जायेंगे। पूरे दिन वोटिंग हुई। फिर मशीन लॉक। फिर दस्तखत और हिसाब-किताब होता है। उन्होंने कहा कि इवीएम से जुड़ी 20 शिकयतें आयी हैं। हम हर सवाल का फेक्टुअल जवाब देंगे। जल्दी देंगे। अगला भी कुछ आयेगा, स्केजा नहीं।

लगाये जायेंगे और मतदान के दौरान किसी भी गड़बड़ी को

रोकने के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये जायेंगे।

झारखंड में किस सीट पर कब चुनाव

पहला चरण (13 नवंबर 2024) 37 विधानसभा सीटें:

कोडरमा, बरकट्टा, बरही, बड़कागांव, हजारीबाग, सिमरिया, चतरा, बहरागोड़ा, घाटशिला, पोतका, जुगसलाई, जमशेदपुर पूर्वी, जमशेदपुर पश्चिमी, ईचागढ़, सरायकेला, चाइबासा, मंझगांव, जगन्नाथपुर, मनोहरपुर, चक्रधरपुर, खरसावां, तमाड़, तोरपा, खूंटी, रांची, हटिया, कांके, मांडर, सिसई, गुमला, बिशुनपुर, सिमडेगा, कोलेबिरा, लोहरदगा, मिनिका, लातेहार, पांकी, डाल्टनगंज, विश्रामपुर, छतरपुर, हुसैनबाद, गढ़वा और भवनाथपुर।

आरक्षित सीटें: एससी: सिमरिया, चतरा, जुगसलाई, कांके, लातेहार और छतरपुर।

एसटी: घाटशिला, पोतका, सराकेला, चाइबासा, मंझगांव, जगन्नाथपुर, मनोहरपुर, चक्रधरपुर, खरसावां, तमाड़, तोरपा, खूंटी, मांडर, सिसई, गुमला, बिशुनपुर, सिमडेगा, कोलेबिरा, लोहरदगा और मिनिका।

दूसरा चरण (20 नवंबर 2024) 44 विधानसभा सीटें

राजमहल, बोरियो, बरहेट, लिट्टीपाड़ा, पाकुड़, महेशपुर, शिकारीपाड़ा, नाला, जामताड़ा, दुमका, जामा, जमशेदपुर, सारठ, देवघर, पोरैयाहाट, गोड्डा, महगामा, रामगढ़, मांडू, धनवार, बगोदर, जमुआ, गाडेय, गिरिडीह, डुमरी, गोमिया, बेरमो, बोकारो, चंदनव्यारी, सिंदरी, निरसा, धनबाद, झरिया, टुंडी, बाघमारा, सिल्ली और खिजरी।

एससी: देवघर, जमुआ और चंदनव्यारी।

एसटी: बोरियो, बरहेट, लिट्टीपाड़ा, महेशपुर, शिकारीपाड़ा, दुमका, जामा और खिजरी।

न्यूज रील

13 राज्यों की 47 विधानसभा-सीटों पर उपचुनाव भी होंगे नयी दिल्ली। चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र-झारखंड के साथ 14 राज्यों की 48 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का भी एलान किया। केरल की वायनाड लोकसभा सीट के साथ 13 राज्यों की 47 विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को मतदान होगा। वहीं, महाराष्ट्र की नांदेड़ लोकसभा सीट और उत्तराखंड की केदारनाथ विधानसभा सीट पर 20 नवंबर को वोटिंग होगी। सभी के नतीजे 23 नवंबर को आयेगे। 48 विधानसभा सीटों में से सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश की 9 सीटें हैं। इसके अलावा राजस्थान की 7, पश्चिम बंगाल की 6, असम की 5, बिहार और पंजाब की 4-4, कर्नाटक की 3, केरल, मध्य प्रदेश और सिक्किम की 2-2, गुजरात, उत्तराखंड, मेघालय और छत्तीसगढ़ की 1-1 विधानसभा सीट उपचुनाव होगा।

हटाये गये मंजुनाथ भजंत्री, वरुण रंजन बने रांची के नये उपायुक्त



मंजुनाथ भजंत्री



वरुण रंजन

आजाद सिपाही संवाददाता रांची। विधानसभा चुनाव की घोषणा से ठीक पहले रांची डीसी मंजुनाथ भजंत्री को हटा दिया गया है। उनकी जगह अब वरुण रंजन को रांची का उपायुक्त बनाया गया है। मंजुनाथ भजंत्री को डीसी बनाये जाने का

भाजपा ने विरोध किया था और चुनाव आयोग से इसकी शिकायत की थी। कुछ दिन पहले ही राहुल सिन्हा को हटा कर मंजुनाथ भजंत्री को रांची डीसी बनाया गया था। लेकिन मंगलवार को उन्हें भी हटा कर वरुण रंजन को रांची डीसी बनाया गया है।

रामगढ़ की पूर्व विधायक ममता देवी अब लड़ सकेंगी चुनाव

आजाद सिपाही संवाददाता रांची। गोला गोलीकांड के दो अलग-अलग मामले में रामगढ़ की पूर्व विधायक ममता देवी को झारखंड हाइकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हजारीबाग की निचली अदालत द्वारा दी गयी सजा को चुनौती देने वाली अपील पर झारखंड हाइकोर्ट में सुनवाई हुई, जिसमें हाइकोर्ट की एकल पीठ ने ममता देवी को दो अलग-अलग मामलों में हजारीबाग की निचली अदालत द्वारा दोषी ठहराये जाने के बिंदु पर रोक लगा दी है। इससे ममता देवी का चुनाव लड़ने का आगे का रास्ता साफ हो गया है। जिन दो मामलों में



ममता देवी को दोषी ठहराते हुए सजा मिली थी, उनमें से एक रजर्पा थाना कांड संख्या 79/2016 में 13 दिसंबर 2022 को ममता देवी को 5 साल की सजा मिली थी। वहीं 4 जनवरी 2023 को गोला गोली कांड के चौथे मामले गोला थाना कांड संख्या 65/2016 में हजारीबाग की विशेष कोर्ट ने ममता देवी को दो साल की सजा दी थी। उन पर पांच-

पांच हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया था। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता एके कश्यप एवं अनुराग कश्यप ने पैरवी की। 13 दिसंबर 2022 को हजारीबाग जिला जज चतुर्थ कुमार पवन की अदालत ने ममता देवी एवं अन्य को पांच साल की सजा सुनायी थी। 8 दिसंबर को विधायक ममता देवी दोषी करार दिये जाने के बाद पुलिस हिरासत में ले लिया गया था। एमपी एमएलए की विशेष कोर्ट ने 307, आर्स एक्ट सहित आधा दर्जन धाराओं में ममता देवी समेत 13 आरोपियों को दोषी करार दिया था, जिसके बाद इन्हें जेपी कारा भेज दिया गया था।

भाजपा में उम्मीदवारों को लेकर मंथन शुरू, किसी भी वक्त एलान संभव

नयी दिल्ली में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा ने झारखंड विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों को लेकर मंथन शुरू कर दिया है। राज्य की 81 विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा किसी भी वक्त की जा सकती है। नयी दिल्ली में मंगलवार को देर रात भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक हुई। इसमें राज्य से भेजे गये मंत्रियों पर विचार किया गया। सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक से पहले प्रदेश नेताओं की भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक हुई। इसमें कई नामों



फाइल फोटो

पर सहमति बन गयी। कुछ सीटों पर अम्मीदवार को चुनकर असमंजस की स्थिति भी बनकर। इस पर केंद्रीय चुनाव समिति में

विचार-विमर्श में निकले निष्कर्ष के बाद फैसला लिया जायेगा। गौरतलब है कि असम के मुख्यमंत्री और प्रदेश भाजपा के

चुनाव सह प्रभारी हिमंता विश्वा सरमा ने सोमवार को चुनावी घोषणा के 24 से 48 घंटे के भीतर 90 फीसदी सीटों के लिए

उम्मीदवारों की सूची जारी कर देने का संकेत दिया था। उधर, उन्होंने आजसू, जदयू और लोजपा के साथ सीटों के बंटवारा तय हो जाने का भी संकेत दे दिया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह के अलावा समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे, जबकि प्रदेश की तरफ से चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह, सह प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा, प्रदेश अध्यक्ष बालूनाल मरांडी समेत कोर ग्रुप के अन्य नेता रहे। बैठक में प्रत्याशियों के नामों पर मुहर लग गयी है। जल्द ही घोषणा कर दी जायेगी।

YASH ENTERPRISES

Deals In :

All Types of CP Bath Fitting, Pumps, Sanitaryware, Pipes & Fitting

J.J Road, Beside, Deepak Trading
Upper Bazar, Ranchi - 01
Mob.: 9835901322, 9709082614



भाजपा के रहते संविधान और आरक्षण पर खरोच तक नहीं आयेगी : लाल सिंह आर्या

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। गरीबी को नजदीक से देखने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब से देश की सत्ता को संभाला है, गरीबों के उत्थान के लिए ही काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश से गरीबी हटाने के लिए कटिबद्ध हैं। उक्त बातें भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तर्पण चुग ने कही। श्री चुग मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा, झारखंड प्रदेश के प्रशिक्षण सह कार्यशाला कार्यक्रम में कही।

उन्होंने कहा कि देश के चार करोड़ लोगों को पक्का मकान दे दिया गया है और 3 करोड़ नये पक्का मकान देने की योजना है। जबकि 11 करोड़ घरों में शौचालय बने हैं और तकरीबन 11 करोड़ घरों में रसोई गैस सिलेंडर भी पहुंचाया गया। इतना ही नहीं 14 करोड़ घरों में नल से पीने का पानी भी पहुंचाया गया है।

उन्होंने कहा कि देश को गरीबी से मुक्त बनाने के लिए भाजपा कटिबद्ध है। जबकि झूठ और नफरत फैलाने वाली कांग्रेस पार्टी से देश के लोगों को बचने की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कांग्रेस पार्टी के झूठ का विष भी पीना पड़ रहा है।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्या ने कहा है

■ जवाहरलाल नेहरू के समय से ही कांग्रेस का चेहरा दलित और संविधान विरोधी : डॉ. मोला सिंह

■ झारखंड के सभी 41 अनुसूचित जाति बहुल सीटों पर भाजपा करेगी जीत दर्ज : किशुन कुमार दास

■ भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी, सोशल मीडिया प्रभारी की एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न



कि जब तक केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार है तब तक आरक्षण को खरोच भी आने नहीं दी जायेगी। संविधान और आरक्षण को खत्म करने की कल्पना भी भारतीय जनता पार्टी के रहते नहीं की जा सकती है।

उन्होंने कांग्रेस की नीयत और नीति पर सवाल उठाते हुए कहा है कि कांग्रेस का दलित विरोधी चेहरा दशकों से चला आ रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत से साथ सरकार बनायेगी। झारखंड के 41 अनुसूचित जाति बहुल सभी सीटों पर भारतीय जनता पार्टी जीत दर्ज

करेगी। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. मोला सिंह ने कहा कि आगामी विधानसभा में चुनाव में अनुसूचित जाति मोर्चा झारखंड प्रदेश के सभी कार्यकर्ता टोली बनाकर गांव में घूम घूम कर पार्टी के पति लोगों को जागरूक करने और वोट में तब्दील करना सबसे बड़ी जिम्मेवारी है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की राष्ट्रीय सोशल मीडिया प्रभारी अणिमा सोनकर ने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से केंद्र सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार करना

है। वहीं ज्यादा से ज्यादा लोगों को सोशल मीडिया से जोड़ने की जरूरत है। कार्यक्रम में विषय प्रवेश भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा, झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष किशुन दास ने किया वहीं मंच संचालन मोर्चा के प्रदेश महामंत्री प्रभात भुइया एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रदेश महामंत्री रंजन पासवान ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जीतू चरण राम राष्ट्रीय मंत्री, अनुसूचित जाति मोर्चा, ब्रजमोहन राम प्रदेश प्रभारी अनुसूचित जाति मोर्चा झारखंड एवं सभी प्रदेश पदाधिकारी, जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रांची के एसएसपी को किया सम्मानित



आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पत्रकार हित के लिए समर्पित अखिल भारतीय संस्था इंडियन जर्नालिस्ट एसोसिएशन की झारखंड इकाई ने रांची के वरिय आरक्षी अध्यक्ष चंदन सिन्हा को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया। संगठन के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष देवानंद सिन्हा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने एसएसपी का अभिनंदन किया। राजधानी की विधि-व्यवस्था बेहतर बनाने रखने, अपराध नियंत्रण एवं सामाजिक समरसता के लिए किये गये कार्यों

की सराहना की। श्री सिन्हा को संगठन की ओर से पुष्प गुच्छ, शॉल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष देवानंद सिन्हा ने हर वर्ष झारखंड के अन्य जिलों के शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों को उत्कृष्ट सेवा सम्मान से सम्मानित करने का निर्णय लिया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार नवल किशोर सिंह, आइजेए की प्रदेश उपाध्यक्ष मधु सिन्हा, रफी समी, डॉ. पूजा सिन्हा, पीयूष कुमार, सोरभ राय, मुस्कान एवं विजय दत्त प्रिंट मौजूद थे।

सड़क दुर्घटना में मृत वकील के परिजनों को 50.90 लाख मुआवजा देने का आदेश

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड हाइकोर्ट ने सड़क दुर्घटना में मृत अधिवक्ता के परिजनों को 50 लाख 90 हजार 176 रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। साथ ही कोर्ट ने इश्योरेंस कंपनी बजाज आलियांज जनरल इश्योरेंस द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उसने मोटर दुर्घटना ट्रिब्यूनल के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें इश्योरेंस कंपनी को सड़क दुर्घटना में मारे गये वकील के परिवार को मुआवजा देने का आदेश दिया गया था। इस मामले की सुनवाई हाइकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुभाष चांद की कोर्ट में हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, एफआईआर, चार्जशीट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए दुर्घटना का तथ्य पर्याप्त रूप से सिद्ध है। इसलिए कंपनी की याचिका खारिज की जाती है।

ऑप्यूलेंट दिवाली और ब्राइडल बाजार का उद्घाटन

उद्घाटन राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी ने किया

एक्ट्रेस युक्ति कपूर एजबीविशन में हुई शामिल

विजिटर्स को हर घंटे मिल रहा है चांदी का सिक्का गीतने का मौका

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। होटल रैंडिसन ब्लू में दो दिवसीय ऑप्यूलेंट दिवाली और ब्राइडल बाजार का भव्य उद्घाटन मंगलवार को हुआ। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में एक्ट्रेस युक्ति कपूर शामिल हुईं। ब्राइडल बाजार का उद्घाटन मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी द्वारा किया गया। लोग यहां करवा चौथ, धनतेरस, दिवाली और वैडिंग की जोरदार खरीददारी कर रहे हैं। समारोह की शुरुआत अपग्रेडेड प्राइमरी स्कूल, रांची के बच्चों द्वारा, लार्ज क्लब रांची समर्पण के सहयोग से स्वागत नृत्य से हुई। मौके पर भोजपुरी गायक, आशुतोष द्विवेदी, यूनिवर्सल इंडिया इंटरनेशनल ब्यूटी पेजेंट की फर्स्ट रनरअप रिद्धिमा मित्तल उपस्थित रहीं।



प्रदर्शनी के मुख्य आकर्षण

- दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, वाराणसी, बेंगलूर, कच्छरी और रांची के प्रसिद्ध डिजाइनरों का नवीनतम संग्रह।
 - हर शैली के लिए खास डिजाइन किये गये परिधान।
 - हर घंटे लकी ड्र, जिसमें चांदी के सिक्के पुस्तक के रूप में दिये जा रहे हैं।
- प्रदर्शनी में शामिल डिजाइनर कलेक्शन
- आभूषणों की विस्तृत श्रृंखला।
 - डिजाइनर एलनिक वेयर, जिसमें सूट, कुर्तियां, साड़ियां, लहंगे और ब्राइडल वेयर शामिल हैं।
 - प्रदर्शनी में विशेष विटर कलेक्शन भी प्रदर्शित किया जा रहा है, जिसमें लकड़ी कोट, जैकेट, स्वेटर और कार्डिगन शामिल हैं।
 - एजबीविशन की इन्टरनेट रीन आवाज ने बताया कि रांची के फैशन प्रेमी इस आयोजन का गर्वपूर्व आनंद ले रहे हैं।

भाजयुमो ने सरकार के विरुद्ध निकाला मशाल जुलूस, कहा- पांच लाख सरकारी नौकरी के नाम पर युवाओं को सिर्फ ठगा गया



आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारतीय जनता युवा मोर्चा रांची महानगर अध्यक्ष रोमित नारायण सिंह के नेतृत्व में राज्य सरकार के खिलाफ युवाओं द्वारा रांची में मशाल जुलूस निकाला। जुलूस जवापाल सिंह मुंडा स्टेडियम से शुरू होकर अल्बर्ट एस्क चौक तक गया। राज्य की सरकार युवाओं को 5 लाख सरकारी नौकरी के नाम पर सिर्फ ठगा गया है। इस निरंकुश सरकार ने उनपर लाठी-डंडे से अंकुश लगाने का काम किया है। मौके पर भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष

शाशांक राज ने कहा कि जब से ये सरकार का गठन हुआ है तबसे सिर्फ ट्रॉसफर पोस्टिंग का उद्योग चल रहा है। जल जंगल जमीन को लूटने, खसोटने और बेचने का काम किया है। अपराधी बेलगाम हो चुके हैं। मौके पर भाजपा महानगर अध्यक्ष वरुण साहू ने कहा कि राज्य के युवाओं ने सरकार को बता दिया है कि अपने जो 5 साल युवाओं को ठगने का काम किया है उसी का आक्रोश आज सड़कों पर देखने को मिल रहा है। युवा मोर्चा

महानगर अध्यक्ष रोमित नारायण सिंह ने कहा कि आगामी विधान सभा चुनाव में वोट की चोट से इस सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए संकल्पित है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुबोध सिंह गुड्डू, ललित ओझा, बलराम सिंह, जितेंद्र वर्मा, राजू सिंह, प्रिंस कुमार, धर्मेन्द्र शुक्ला, अमन, अमिताभ धीरज, सचिन साहू, पूजा सिंह, देवराज सिंह, तुलिका अपूर्वा, सनोज सिंह, बल्लू महतो, जितेंद्र सिंह पटेल, धीरज अग्रवाल, नीरज कुमार, रवि मुंडा आदि मौजूद थे।

सरला बिरला विश्वविद्यालय में एक्सपर्ट टॉक का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ कॉमर्स द्वारा एक्सपर्ट टॉक का आयोजन सेबी के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सेबी के सिक्वोरिटी मार्केट ट्रेनर डॉ. सुजीत मुखर्जी ने वित्तीय बचत, निवेश, बैंक लोन, सिक्वोरिटी मार्केट एवं म्यूचुअल फंड के विषय में उपस्थित शिक्षकों और विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। निवेश से जुड़ी समस्याओं और उसके निराकरण में सेबी की भूमिका की भी उन्होंने चर्चा की। एक्सपर्ट के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक ने निवेश में जागरूकता की जरूरत पर जोर दिया। साथ ही निवेश के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े खतरों के प्रति आगाह किया। आज के दौर में वित्तीय घोटालों और उसके मकड़जाल में उलझती नयी पीढ़ी को उन्होंने इसे निपटने के लिए वित्तीय साक्षरता की



जरूरत बतायी। कार्यक्रम में फैकल्टी ऑफ कॉमर्स के डीन डॉ. संदीप कुमार ने सेबी के विषय में उपस्थित श्रोताओं का परिचय करवाते हुए ऐसे आयोजनों की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने ऐसे आयोजनों को विद्यार्थियों की जानकारी के लिए बेहतर करार दिया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण करण प्रताप सिंह और धन्यवाद

भाषण डॉ. कुणाल सिन्हा ने दिया। इस अवसर पर डॉ. अरविंद भंडारी, डॉ. एलजी हनी सिंह, डॉ. अनुल करण, डॉ. कुंजेश कुमार सिंह, डॉ. अंजली श्रीवास्तव इत्यादि उपस्थित रहे। विवि के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान और डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने इस कार्यक्रम के आयोजन पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

झामुमो ने मंडियां सम्मान की राशि बढ़ने पर निकाला विजय जुलूस



आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मंडियां सम्मान योजना को एक हजार रुपये से बढ़ाकर 2500 रुपये करने की खुशी में झामुमो ने विजय जुलूस निकाला। राजधानी में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झारखंड सरकार का आभार प्रकट करते हुए जिला स्कूल से अल्बर्ट एस्क चौक तक विजय जुलूस निकाला। इस अवसर पर झामुमो रांची जिलाध्यक्ष मुस्ताक आलम ने कहा कि यह योजना मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दृढ़ संकल्प का

परिणाम है। उन्होंने यहां की बेटियां, बहनों और महिलाओं के लिए बहुत ही संवेदनशील होकर सोचा और उन्हें मुख्य धारा से जुड़ने के लिए 2500 रुपये की सम्मान राशि की योजना देने का काम किया। मंडियां सम्मान योजना की तीन किस्त राज्य की 52 लाख से भी अधिक महिलाओं के खाते में जा चुकी है और इसी दिशा में उन्हें सम्मान करने के लिए 2500 की सम्मान राशि महिलाओं को दी जायेगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जो

कहते हैं वो करते हैं, भाजपा की तरफ फर्जी घोषणा और योजना नहीं लाते। इस मौके पर समग्र मंजूरी, अश्विनी शर्मा, जनक नायक, बीरू साहू, कलाम आजाद, रामानंद बेदिया, डॉ. हेमलाल कुमार मेहता, नयन उरांव, राखी देवी, अंशु लकड़ा, उषा उरांव, संस्था गुडिया, सुष्मा बरदेवा, राधा हेंब्रम, पुष्पा बरदेवा, परवेज खान, सबीबुल रहमान, फरीद आलम गुड्डू, विजयम रिचर्ड लकड़ा आदि उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण खबरें

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड में दो दिवसीय वर्कशॉप कल से

रांची (आजाद सिपाही)। रांची के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर वर्कशॉप का 17 अक्टूबर से दो दिवसीय आयोजन करने जा रहा है। इसमें राष्ट्रीय तकनीकी सत्र का आयोजन किया जा रहा है। ये कोई प्रतियोगिता नहीं है, बस विशेषज्ञ चर्चा है और छात्रों को सिखाया जायेगा कि सोशल मीडिया का प्रभाव कितना मायने रखता है और बिजनेस को कैसे बढ़ावा दे सकता है। इस दो दिवसीय सोशल मीडिया प्रभावशाली कार्यशाला में विश्वविद्यालय के शिक्षक, निदेशक, डीन छात्रों को विशेषज्ञ सलाह देने आयेंगे। वर्कशॉप का समन्वय शिवम कुमार और मार्गदर्शन प्रोफेसर डॉक्टर भगवान सिंह करेंगे।

निर्वासित तिब्बती पोताला स्टेटर मार्केट का शुभारंभ



रांची (आजाद सिपाही)। स्थानीय सर्कुलर रोड स्थित हरिओम टावर लालपुर में पोताला स्टेटर मार्केट का उद्घाटन लोक गायक, गीतकार, नृत्यक पद्मश्री से सम्मानित मुकुंद नायक के हाथों किया गया। इस अवसर पर विश्व शांति और परम पावन दलाई लामा के लंबे जीवन की कामना हेतु पूजा-अर्चना एवं सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। निर्वासित तिब्बती गिगत 54 वर्षों से रांची में स्टेटर का मार्केट लगाते आ रहे हैं। इनका उद्देश्य उचित कीमत पर हर प्रकार के गर्म कपड़े एक ही जगह पर उपलब्ध कराना है। मार्केट में काम कीमत से लेकर ऊंची कीमत एवं फैशन के अनुरूप कपड़े उपलब्ध कराये गये हैं। अध्यक्ष सिरिंग दोरजे ने बताया कि चीन से तिब्बतियों के निर्वासन के 65 वर्षों से चुके हैं। इन 65 वर्षों में तिब्बती की सांस्कृतिक एवं मूल स्वरूप लगभग नष्ट कर दिया गया है। संपूर्ण तिब्बत को सैनिक छावनी में बदल दिया गया है। परमाणु कचरे का निस्तारण भी इसी क्षेत्र में किया जाता है। चीनी सरकार द्वारा अत्याचार एवं मानव अधिकार का हनन काफी बढ़ गया है। साथ ही ब्रह्मपुत्र की एक सहायक नदी का भी प्रवाह को रोक दिया गया। भारत के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इतनी लंबी अवधि तक निर्वासित तिब्बतियों को भारत की सरकार एवं जनता का तिब्बतियों को काफ़ी सहयोग मिला। उद्घाटन समारोह में मुख्य रूप से भारत तिब्बत मैत्री संघ के अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, महासचिव अनिल अरुण, डॉक्टर रामप्रवेश, दिलीप वर्मा आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

जलसा सीजन-2 का पोस्टर किया गया लॉन्च



रांची (आजाद सिपाही)। फैशन डिजाइनर हनी मिश्रा सिन्हा द्वारा 17 और 18 अक्टूबर को अपर बाजार स्थित महाराज अग्रसन भवन में दो दिवसीय जलसा सीजन-2 प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। इस प्रदर्शनी का मंगलवार को पोस्टर लॉन्च किया गया। आयोजनकर्ता ड्रेस डिजाइनर हनी मिश्रा सिन्हा ने बताया कि महिलाओं को उनके ब्यापार को प्रदर्शित और प्रोत्साहन देने के लिए जलसा सीजन-2 का आयोजन किया जा रहा है। महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए यह एक पहल है। इसके माध्यम से महिला उद्यमियों को एक मंच प्रदान करने की कोशिश है। जिससे महिलाएं अपने हाथों से घरों में तैयार की गयी उत्पाद को आम लोगों के सामने प्रदर्शित कर सकती हैं। प्रदर्शनी के माध्यम से महिलाएं अपने उत्पादों को बेचकर आय भी अर्जित करेगी। हनी ने बताया कि करवा चौथ, दिवाली के साथ अन्य त्योहार नजदीक हैं। इसके मद्देनजर महिलाओं से जुड़े हर प्रकार का सामान यहां उपलब्ध कराया जायेगा, ताकि वे एक स्थान पर ही खरीदारी कर सकें। उन्होंने बताया कि गुस्वार और शुक्रवार को आयोजित हो रहे प्रदर्शनी में महिला परिधान, डिजाइनर कपड़े, जेवर, आर्टिफिशियल गहने, गिफ्ट आइटम, बच्चों से संबंधित वस्तुएं, खिलौने, स्टेशनरी के सामान, फुटबियर, बेड शीट्स, दिवाली के सामान, हस्तशिल्प की वस्तुएं, पर्स, होम डेकोर, घर के बने खाखरे, पापड़, मठरी, खिचिया, ऑर्गेनिक दाले, होममेड बेकरी, अचार, पापड़ सहित कई प्रकार के उत्पाद उपलब्ध होंगे। इसके अलावे नये एवं विशेष उत्पाद किफायती दर पर बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगे।

सिख समाज ने चुनाव आयुक्त से तारीख में संशोधन की मांग की



रांची (आजाद सिपाही)। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, मेन रोड एवं गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा, कृष्णा नगर कॉलोनी के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के गुरविंदर सिंह सेठी के नेतृत्व में झारखंड के मुख्य चुनाव आयुक्त से उनके कार्यालय में मुलाकात कर श्री गुरुनानक देवजी के प्रकाश पर्व के उपलब्ध में निकाले जाने वाले नगर कीर्तन के दिन ही रांची विधानसभा के चुनाव की तिथि की हुई घोषणा के कारण उक्त तिथि में संशोधन से संबंधित ज्ञापन सौंपा। गुरविंदर सिंह सेठी ने बताया कि हमने मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलकर उन्हें बताया कि पिछले 57 सालों से श्री गुरुनानक देवजी के प्रकाश पर्व पर कार्तिक पूर्णिमा की तिथि से दो दिन पहले कृष्णा नगर कॉलोनी से शोभायात्रा निकाली जा रही है और इस वर्ष शोभा यात्रा 13 नवंबर को है और इसी तारीख को रांची विधानसभा क्षेत्र के चुनाव की घोषणा की गयी है। इसको लेकर हमने चुनाव की तिथि के बदलाव की मांग करते हुए उन्हें ज्ञापन सौंपा है, जिस पर चुनाव आयुक्त ने विधि सम्मत विचार का आश्वासन दिया है। चुनाव आयुक्त से मुलाकात करने के प्रतिनिधिमंडल ने गुरविंदर सिंह सेठी, गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी जानी विक्रमजीत सिंह, अर्जुन देव मिश्रा, त्रिलोचन सिंह अकाली, सुरेश मिश्रा, हरीश मिश्रा, गुरविंदर सिंह मखीजा, बसंत काठपाल, ऋषि छावड़ा एवं रमेश पनपेजा शामिल थे।

मुंबई में अंडरवर्ल्ड के दौर की वापसी

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और नेता बाबा सिद्दीकी की विजयादशमी के दिन मुंबई के बांद्रा में हुई हत्या अग्न अचानक सबसे बड़े चुनावी मुद्दे के रूप में उभरती दिख रही है तो इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं। विधानसभा चुनावों के ऐन पहले हुई इस हत्या ने न केवल सबको सकते में डाल दिया, बल्कि यह सवाल भी खड़ा कर दिया कि क्या देश की वित्तीय राजधानी एक बार फिर गैंगवॉर और अंडरवर्ल्ड के खौफ वाले दौर का गवाह बनने जा रही है। सड़कों पर शूटआउट, गैंगवॉर और बड़े कारोबारियों, बिल्डरों, फिल्मी हस्तियों को धमकियां, वसूली, यहां तक कि हत्या भी मुंबई के लिए कोई नई बात नहीं हैं। नब्बे के दशक के उस दौर की यादें आज भी आम मुंबईकरों के मन से मिटी नहीं हैं। लेकिन कुछ तो मुंबई पुलिस की सख्ती और कुछ आर्थिक गतिविधियों के स्वरूप में आए बदलाव ने उस दौर को अतीत के हिस्से का रूप दे दिया। सिद्दीकी की हत्या से वही डरावना अतीत अचानक वर्तमान में दस्तक देता महसूस हुआ।

विधानसभा चुनावों के ऐन पहले हुई इस हत्या ने न केवल सबको सकते में डाल दिया, बल्कि यह सवाल भी खड़ा कर दिया कि क्या देश की वित्तीय राजधानी एक बार फिर गैंगवॉर और अंडरवर्ल्ड के खौफवाले दौर का गवाह बनने जा रही है।

शुरुआती रिपोर्टों में अपराध को अंजाम देने और उसकी जिम्मेदारी लेने के अंदाज के आधार पर इसे लॉरेंस बिश्नोई गैंग की करतूत बताया जा रहा है। हो सकता है यह सच हो, लेकिन 'सलमान खान का साथ देना' इतनी बड़ी वारदात का कारण होगा, यह मानना मुश्किल है। ध्यान रहे, इन चुनावों में धारावी री-डिवेलपमेंट प्रोजेक्ट एक बड़ा मुद्दा है। खुद बाबा सिद्दीकी भी ईडी जांच के घेरे में थे। उन पर महाराष्ट्र हाउसिंग बोर्ड के चेयरमैन पद के दुरुपयोग का आरोप था। इस मामले में 462 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त हो चुकी है। उम्मीद की जानी चाहिए कि जांच से हत्या के असली कारणों का खुलासा होगा। मगर सबसे बड़ी चुनौती है वित्तीय राजधानी में कानून-व्यवस्था की स्थिति को बिगड़ने नहीं देने की। हाल के दिनों में मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में ऐसी कई घटनाएं हुईं, जिनसे यह संकेत गया कि पुलिस-प्रशासन की कानून-व्यवस्था पर पकड़ कमजोर हो रही है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी इस घटना के बाद सबसे पहले यही कहा कि गैंगवॉर जैसे हालात किसी भी सूरत में नहीं बनने देना है। उनके ये शब्द ही सरकार और प्रशासन की सबसे बड़ी कसौटी होंगे।

अभिमत

आजाद सिपाही

पीएमजेएवाइ ने प्रति लाभार्थी परिवार द्वितीयक और तृतीयक उपचार के लिए 5 लाख रुपये तक की निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा प्रदान करके सरकारी और निजी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवा प्रदायकों के आधार को छुआ है। निजी स्वास्थ्य बीमा कंपनियों द्वारा प्रचारित गारी-भरकम रकम की तुलना में यह राशि छोटी लग सकती है, लेकिन योजना की रूपरेखा और पैमाने को देखते हुए लाखों परिवारों के लिए इस राशि का प्रभाव जीवन बदलने वाला और जीवन रक्षक है।

भारत में स्वास्थ्य सेवा में बदलाव: आयुष्मान भारत पीएमजेएवाइ का प्रभाव और वादा

विनोद के पॉल

राजू (बदला हुआ नाम), आयु 18 वर्ष, को सामान्य रूप से चलते हुए भी सांस लेने में तकलीफ होती थी और वह थकान महसूस करता था। साल 2017 में उसे सीने में दर्द के कारण दिल की गंभीर बीमारी से पीड़ित होने के बारे में पता चला। इलाज की अंतहीन जद्दोजहद में उसके पिता ने परिवार के मवेशी और जमीन तक बेच डाली और पांच लाख रुपये से अधिक रकम के कर्ज में डूब गये। साल 2019 में, उन्हें आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएमजेएवाइ) की ओर से एक पत्र मिला, लेकिन उन्होंने इसको ज्यादा अहमियत नहीं दी। साल 2022 में, राजू की हालत बिगड़ गयी, जिसके लिए फोन सर्जरी करने की आवश्यकता थी। वे हताश और बेवसा हो चुके थे, तभी अस्पताल के एक कर्मचारी ने उनके परिवार को पीएमजेएवाइ के बारे में पता करने की सलाह दी और उनकी पात्रता की पुष्टि की। इसकी बदौलत राजू की लगभग 1.83 लाख रुपये की लागत वाली जीवन रक्षक सर्जरी संभव हो सकी। आखिरकार 67 दिन बाद उसे नये सिर से जिंदगी शुरू करने के लिए अस्पताल से छुट्टी दे मिल गयी।

आशा, सेहत और खुशी से भरपूर यह कहानी, उन अनगिनत कहानियों में से एक है, जो एबी पीएमजेएवाइ के लाभार्थियों के जीवन के इर्द-गिर्द बुनी गयी हैं। बाँते छह वर्षों में इस योजना के तहत अस्पतालों में लगभग 7.8 करोड़ दाखिलों के साथ पीएम-जेएवाइ ने लाखों लोगों के जीवन को बेहतर बनाया है और उनके प्राणों की रक्षा की है और साथ ही उन रोगियों के परिवारों को अस्पताल के खर्च के कारण गरीबी और पीड़ा के चंगुल में फँसने से भी बचाया है। यह योजना प्रधानमंत्री द्वारा परिकल्पित सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) के लिए भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। पीएमजेएवाइ ने प्रति लाभार्थी परिवार द्वितीयक और तृतीयक उपचार के लिए 5 लाख रुपये तक की निःशुल्क स्वास्थ्य



सेवा प्रदान करके सरकारी और निजी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवा प्रदायकों के आधार को छुआ है। निजी स्वास्थ्य बीमा कंपनियों द्वारा प्रचारित गारी-भरकम रकम की तुलना में यह राशि छोटी लग सकती है, लेकिन योजना की रूपरेखा और पैमाने को देखते हुए लाखों परिवारों के लिए इस राशि का प्रभाव जीवन बदलने वाला और जीवन रक्षक है।

योजना की रूपरेखा के अनुसार पीएमजेएवाइ का उद्देश्य अस्पतालों में भर्ती रोगियों को द्वितीयक और तृतीयक देखभाल उपलब्ध कराना है, तथा बहिरंग रोगी सेवाएँ इस योजना के अंतर्गत नहीं आती। एक महत्वाकांक्षी व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल मिशन के माध्यम से सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) के इस दूसरे चटक पर समान रूप से गौर किया जा रहा है, जिसके तहत 1,75,000 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) स्थापित किये गये हैं, जिन्हें पहले स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र कहा जाता था। इनमें निःशुल्क परामर्श, और कई दवाएँ (172 तक) और निदान (63 तक) निःशुल्क प्रदान किये जा रहे हैं। वर्तमान में सरकारी प्रवासों का केंद्र इन दोनों प्रणालियों में देखभाल का सुदृढ़ दो-तरफा सम्मिलन और निरंतरता है। भारत का यूएचसी मॉडल सार्वजनिक रूप से चित पोषित व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा पर आधारित है। स्वास्थ्य नीति और सेवाओं को अलग-थलग करके नहीं अपितु समग्रता में देखे जाने की आवश्यकता है।

इस योजना के कार्यान्वयन के दौरान, स्वास्थ्य लाभ पैकेज (एचबीपी) के तहत प्रक्रियाओं और कीमतों को संशोधित और युक्तिसंगत बनाया गया है। साल 2018 में एचबीपी की संख्या 1393 थी, जो 2022 तक बढ़ कर 1949 हो गयी। स्वास्थ्य सेवाओं की लागत में क्षेत्रीय भिन्नता को ध्यान में रखते हुए विभेदक मूल्य निर्धारण की अवधारणा शुरू की गयी है। साथ ही, स्थानीय संदर्भ के अनुसार एचबीपी दरों को और अधिक अनुकूलित करने के लिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अतिरिक्त लचीलापन प्रदान किया गया है।

सेवाओं की निर्बाध प्रदायगी सुनिश्चित करने और व्यवस्था में दुरुपयोग को गुंजाइश को कम करने के लिए पीएमजेएवाइ स्वाभाविक रूप से प्रौद्योगिकी-संचालित है और पेपरलेस या कागज रहित होने के साथ-साथ कैशलेस या नकदी रहित भी है। सेवाएँ प्रतिपूर्ति या सह-भुगतान का कोई प्रावधान नहीं है। हालांकि अधिकांश दावों का निपटान समय पर होता है, लेकिन राज्यों के साथ साझेदारी में और सुधार लाने के लिए गहन प्रयास किए जा रहे हैं।

इस योजना की सफलता और जन कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के कारण इस वर्ष इसके दायरे को बढ़ाने के लिए दो बड़े कदम उठाये गये हैं। अंतरिम बजट में सरकार द्वारा इस योजना को स्वास्थ्य विस्तारित करते हुए आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के लगभग 37 लाख परिवारों को इसके दायरे में लाया

गया। दूसरा, भारत की बढ़ती जीवन प्रत्याशा के मद्देनजर, एक और बड़ा कदम सरकार का 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों को उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति की परवाह न करते हुए पीएमजेएवाइ कवरेज देने का निर्णय है। इससे 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों वाले 4.5 करोड़ परिवारों को लाभ होगा। भारत में राष्ट्रीय प्रतिदशं सर्वेक्षण (एनएसएस) की स्वास्थ्य से संबंधित 75वें चरण की रिपोर्ट से पता चलता है कि इस आयु वर्ग के लिए अस्पतालों में भर्ती होने की दर 11 प्रतिशत से अधिक है। लॉन्गिट्यूडिनल एजिंग स्टडी ऑफ इंडिया (एलएसआई) की 2021 की रिपोर्ट से पता चलता है कि 75 प्रतिशत बुजुर्गों को एक या एक से अधिक पुरानी बीमारियाँ हैं, 40 प्रतिशत को किसी न किसी तरह की विकलांगता है और 4 में से 1 बहु-रुग्णता से पीड़ित है।

उल्लेखनीय रूप से 58 प्रतिशत बुजुर्ग आबादी महिलाओं की है, जिनमें 54 प्रतिशत विधवाएँ हैं। वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित अनेक निजी बीमा उत्पादों के विपरीत, पीएमजेएवाइ किसी भी वरिष्ठ नागरिक को पहले से चली आ रही बीमारी के कारण बाहर नहीं करता है; न ही यह लाभ देने से पहले किसी वर्ष की प्रतीक्षा अर्थात् की शर्त रखता है। वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य देखभाल संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करके यह योजना उन्हें स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन जीने में समर्थ बनाती है।

पीएमजेएवाइ सार्वजनिक और निजी स्वास्थ्य क्षेत्रों को एक राष्ट्र, एक प्रणाली के सूत्र में जोड़ता है। वर्तमान में, पीएमजेएवाइ के पास 29,000 से अधिक सूचीबद्ध अस्पतालों का अखिल भारतीय नेटवर्क है, जिनमें लगभग 13,000 निजी अस्पताल शामिल हैं। इसके अलावा इनमें से लगभग 25,000 अस्पताल टियर-2 और टियर-3 शहरों में स्थित हैं। निजी क्षेत्र में अधिकृत अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या और मात्रा का अनुपात क्रमशः 57 प्रतिशत और 67 प्रतिशत है, जो इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भागीदारी को दर्शाता है। लाभार्थी के पास राज्य के दिशा-निर्देशों के अनुसार सूचीबद्ध अस्पताल, सार्वजनिक या निजी, चुनने का विकल्प मौजूद है।

इस योजना ने अनेक राज्यों में सरकारी अस्पतालों में भी सेवा प्रदायगी को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है। इन अस्पतालों ने अपनी सुविधाओं और बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए योजना के तहत प्रतिपूर्ति की गयी धनराशि का उपयोग किया है। कवरेज और पहुंच की बढ़ती रफ्तार के साथ पीएमजेएवाइ में टियर 2 और 3 शहरों में एक ऐसे बाजार के निर्माण के जरिए निजी अस्पतालों के विकास को बढ़ावा देने की क्षमता मौजूद है, जहां पहले भुगतान क्षमता की कमी के कारण मांग पूरी नहीं हो पाती थी।

हाल ही में एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री द्वारा किये गये अध्ययन (घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2022-23 से इकाई-स्तरीय डेटा पर आधारित) में निष्कर्ष निकाला गया है कि पिछले 10 वर्षों में हमारी आबादी का निचला 50 प्रतिशत हिस्सा चिकित्सा व्यय से संबंधित आघातों के प्रति काफी कम संवेदनशील हो गया है और यह प्रवृत्ति निकटता से पीएमजेएवाइ से संबद्ध है।

आज बहुत से लोग स्वास्थ्य सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं और साथ ही अपनी संपत्ति और बचत का भी संरक्षण कर पा रहे हैं। आयुष्मान भारत पीएमजेएवाइ विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने को तत्पर है। आखिरकार, अच्छा स्वास्थ्य, कल्याण, राष्ट्रीय उत्पादकता और समृद्धि का आधार है। (लेखक : सदस्य (स्वास्थ्य) नीति आयोग हैं। आलेख में व्यक्त विचार निजी हैं।)

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ से मिले जयशंकर

नवाज शरीफ बोले- पीएम मोदी आते तो अच्छा होता 9 साल बाद पाकिस्तान जाने वाले पहले नेता है जयशंकर

एजेंसी

इस्लामाबाद। एससीओ संगठन की बैठक के लिए पाकिस्तान पहुंचे विदेश मंत्री एस जयशंकर ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की। पाकिस्तान के पीएम ने उन्हें एक अनौपचारिक डिनर के लिए न्योता दिया था। इससे पहले इस्लामाबाद पहुंचने पर छोटी बच्चियों ने फूल देकर उनका स्वागत किया। वे करीब 9 साल बाद पाकिस्तान जाने वाले पहले भारतीय नेता हैं। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने एक इंटरव्यू में कहा था- एससीओ की मीटिंग में शामिल होने अगर् मोदी आते तो ज्यादा



अच्छा होता, मुझे उम्मीद है कि मैं उनसे जल्द मुलाकात करूंगा। दरअसल, पाकिस्तान ने अगस्त में प्रधानमंत्री मोदी को एससीओ का न्योता भेजा था, लेकिन दोनों देशों के बीच खराब रिश्तों के चलते विदेश मंत्री एस जयशंकर इस बैठक में शामिल हुए हैं।

जयशंकर पहले ही कह चुके हैं कि पाकिस्तान जाने का इकलौता मकसद एससीओ है, वे दोनों देशों के रिश्तों पर चर्चा नहीं करेंगे। भारत के

अलावा रूस और चीन समेत 10 देशों के प्रतिनिधि भी एससीओ की बैठक में शामिल होंगे। इसके मद्देनजर सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए इस्लामाबाद में लोकडाउन लगा दिया गया है। साथ ही पूरे शहर में 3 दिन के लिए छुट्टी की घोषणा कर दी गयी है।

विदेश मंत्री जयशंकर 8 साल 10 महीने बाद पाकिस्तान जाने वाले भारत के पहले नेता हैं। इसलिां भी ये दौरा खास है। उनसे पहले 25 दिसंबर

2015 को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पाकिस्तान के दौर पर गये थे, तब मोदी एक सरप्राइज विजिट पर लाहौर पहुंचे थे। उन्होंने पाकिस्तान के पीएम नवाज शरीफ से मुलाकात की थी। उनके इस दौर के बाद से भारत के किसी भी प्रधानमंत्री या मंत्री ने पाकिस्तान की यात्रा नहीं की है। मोदी के दौर के एक साल बाद ही 2016 में 4 आतंकी उरी में भारतीय सेना के ब्रिगेड हेडक्वार्टर में घुस गये थे। इस हमले में भारतीय सेना के 19 जवान शहीद हो गये थे, तब से दोनों देशों के रिश्तों में तनाव बढ़ गया था। 2019 में जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटने के बाद दोनों देशों के बीच रिश्ते और खराब हो गये। हालांकि इन सब के बावजूद पिछले साल गोवा में एससीओ देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान के तत्कालीन विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो भारत आये थे।

मुंबई जायेंगे सीएम मोहन चरण माझी

भुवनेश्वर। राज्य में औद्योगीकरण के लिए मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी मुंबई जायेंगे। ओडिशा सरकार 18 और 19 को मुंबई में 2 दिवसीय निवेशक सम्मेलन और रोड शो का आयोजन करेगी, जिसमें मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री 18 और 19 को मुंबई में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। 19 तारीख को वह 300 से ज्यादा निवेशकों से चर्चा करेंगे और 18 तारीख को केंद्र सरकार की ओर से आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। उद्योग मंत्री संपद स्वाई ने मंगलवार को मुख्यमंत्री के मुंबई दौरे की जानकारी दी।

7 फ्लाइट्स में बम की धमकी दिल्ली-शिकागो प्लेन कनाडा डायवर्ट, 6 ने भारत से उड़ान भरी थी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। 7 फ्लाइट्स में मंगलवार को बम होने की धमकी मिली। धमकी मिलने वाली फ्लाइट्स में एअर इंडिया की दिल्ली से शिकागो जाने वाला विमान भी शामिल था। इसके बाद उसने कनाडा डायवर्ट कर दिया गया। प्लेन को कनाडा के इकालुट्ट एयरपोर्ट पर उतारा गया। यहां यात्रियों और उसमें मौजूद सामान की जांच की गयी। फ्लाइट 24 रडार के मुताबिक, प्लेन ने आज सुबह 3 बजे दिल्ली से उड़ान भरी थी, जिसे दोपहर 4:30 बजे शिकागो पहुंचना था। दिनभर में 7 फ्लाइट्स को धमकी मिलने की वजह से सिक्योरिटी



एजेंसियों ने कई एयरपोर्ट्स पर काउंटर टेररिस्ट ड्रिल किये। जांच में पता चला है कि सभी धमकियां एक ही शख्स की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भेजी गयी थीं, जिससे कई सौ यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि बाद में ये धमकियां झूठी निकलीं।

14 अक्टूबर को 3 फ्लाइट्स को बम की धमकी मिली

14 अक्टूबर को मुंबई से टेक ऑफ करने वाली 3 फ्लाइट्स को बम की धमकी दी गयी थी। पहली फ्लाइट मुंबई से न्यूयॉर्क जा रही एअर इंडिया की थी। इसे दिल्ली डायवर्ट किया गया। दूसरी फ्लाइट इंडिया की थी, जो मुंबई से मस्कट जाने वाली थी। वहीं तीसरी फ्लाइट मुंबई से जेद्दाह जाने वाली थी। सभी फ्लाइट्स को सोशल मीडिया एक्स पर 4 अलग-अलग हिंडल से बम के धमके भेजे गये थे।

दिल्ली में कुकी-मैतेई ने पहली बार बैठक की

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। पिछले एक साल से मणिपुर में जारी जातीय हिंसा के बीच मंगलवार, 15 अक्टूबर को दिल्ली में कुकी और मैतेई समुदाय के बीच पहली बार बातचीत हुई। गुह मंत्रालय की बैठक में दोनों समुदाय के नेता और विधायक शामिल हुए, ताकि शांति से हिंसा का समाधान निकाला जा सके। बैठक में मैतेई समुदाय से राज्य विधानसभा अध्यक्ष थोकाचोम सत्यब्रता सिंह, दोंगब्राम रोबिंद्रो, थ. बसंतकुमार सिंह शामिल हुए। वहीं, कुकी समुदाय की तरफ से राज्य मंत्री विधायक लेतापाओ

हाओकिप और नेमचा किपजेन थे। नागा समुदाय का प्रतिनिधित्व विधायक राम मुइवाह, आवांगबो न्यूमई और एल डिखो ने किया। गुह मंत्रालय की तरफ से एके मिश्रा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में मौजूद थे। हालांकि, गुह मंत्री अमित शाह और मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बॉरेन सिंह बैठक में नहीं आये। मणिपुर में जातीय हिंसा 3 मई 2023 को शुरू हुई थी। इसके 16 महीने बीत चुके हैं। इस दौरान 226 लोगों की मौत हो चुकी है। 1100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। 65 हजारी से ज्यादा लोग अपना घर छोड़ चुके हैं।

यूपी के मिल्लीपुर उपचुनाव का रास्ता साफ

● याचिकाकर्ता न्यायालय में दाखिल पिटिशन लेंगे वापस

आजाद सिपाही संवाददाता

लखनऊ। अयोध्या की मिल्लीपुर सीट पर उपचुनाव का रास्ता साफ हो गया है। इस सीट पर एक पिटिशन की वजह से चुनाव घोषित नहीं हो पाया था। गोरखनाथ बाबा के वकील ने स्पष्ट किया है कि वह कोर्ट में दाखिल अपनी याचिका वापस ले लेंगे। अब इस बात के कयास लग रहे हैं कि बाकी सीटों के साथ भी इस सीट पर चुनाव कराया जा सकता है। यह सीट अवधेश प्रसाद के द्वारा खाली की गयी थी। मालूम हो कि वह सपा से फैजाबाद सीट से सांसद बन गये थे। इस सीट पर सपा ने अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। अवधेश प्रसाद के पुत्र

अजीत प्रसाद को पार्टी ने सपा से टिकट दिया है। यूपी की नौ सीटों पर उपचुनाव की घोषणा : यूपी में विधानसभा की 10 में से नौ सीटों पर उपचुनाव की घोषणा कर दी गयी है। अयोध्या जिले की मिल्लीपुर सीट पर अभी उपचुनाव नहीं होगा। नौ सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान 13 नवंबर को, जबकि मतगणना 23 नवंबर को होगी। इन सीटों पर होने हैं उपचुनाव : यूपी में करहल (मैनपुरी), सीसामऊ (कानपुर), मिल्लीपुर (अयोध्या), कुंदरही (अंबेडकरनगर), कुंदरही (मुरादाबाद), खैर (अलीगढ़), गजियाबाद, फूलपुर (प्रयागराज), मझवा (मिर्जापुर) और मोरारपुर (मुजफ्फरनगर) पर उपचुनाव होने हैं। सीसामऊ सीट सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा होने से

रिक्त हुई है, जबकि 9 विधायक, लोकसभा सदस्य बन चुके हैं। इसलिए याचिकाकर्ता गये थे कोर्ट : चुनाव आयोग ने मंगलवार को महाराष्ट्र, झारखंड विधानसभा चुनावों के साथ उत्तर प्रदेश में विधानसभा उपचुनावों का एलान कर दिया है। अयोध्या के मिल्लीपुर विधानसभा में उपचुनाव की घोषणा नहीं की गयी। 2022 विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अवधेश प्रसाद ने भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी बाबा गोरखनाथ को 13 हजार से अधिक वोटों से हराया था। चुनाव प्रक्रिया में जमा किये सपा प्रत्याशी के दस्तावेजों में कमी होने से इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की गयी थी जिसको देखते हुए चुनाव आयोग ने मिल्लीपुर विधानसभा पर उपचुनाव की घोषणा नहीं की है।

नासा ने बृहस्पति के चांद यूरोपा पर स्पेसक्राफ्ट भेजा, 2030 में पहुंचेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। बृहस्पति ग्रह के चांद यूरोपा पर जीवन की संभावना की तलाश करने के लिए नासा ने सोमवार को यूरोपा क्लिपर स्पेसक्राफ्ट लॉन्च किया। स्पेसक्राफ्ट को फोरोडर के कैनेडी स्पेस सेंटर से इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के फाल्कन हेवी रॉकेट से लॉन्च किया गया। यह मिशन 6 साल का होगा और इस दौरान स्पेसक्राफ्ट करीब 3 अरब किलोमीटर का रास्ता तय करेगा। यूरोपा क्लिपर 11 अप्रैल 2030 में बृहस्पति की कक्षा में दाखिल होगा। इसके बाद 4 साल में यह 49 बार यूरोपा चांद के



करीब से गुजरेगा। वैज्ञानिकों को लगता है कि बृहस्पति के चांद की बर्फाली सतह के नीचे समुद्र हैं, जो इस उपग्रह को रहने लायक बना सकते हैं। यूरोपा क्लिपर स्पेसक्राफ्ट पर कई सोलर पैनल लगे हैं। यह किसी दूसरे ग्रह को जांच के लिए नासा की तरफ से बनाया गया अब तक का सबसे

बड़ा स्पेसक्राफ्ट है। इसका साइज एक बास्केटबॉल कोर्ट से भी बड़ा है। इस मिशन पर नासा ने 43 हजार करोड़ रुपए खर्च किये हैं। स्पेसक्राफ्ट यूरोपा चांद की जांच के लिए अपने साथ 9 उपकरण लेकर गया है। इनमें कैमरा, स्पेक्ट्रोमीटर, मैग्नेटोमीटर और रडार शामिल हैं। इनके जरिए वैज्ञानिक बृहस्पति के चांद पर मौजूद समुद्र की गहराई का पता लगाया जायेगा। इसके अलावा वे यूरोपा की सतह पर जीवन के लिए जरूरी दूसरी चीजों की मौजूदगी भी तलाशेंगे। साथ ही वे चांद की सतह पर मैग्नेटिक फील्ड की भी चेक करेंगे।



खूटी और तोरपा विधानसभा क्षेत्र में 13 नवंबर को डाले जायेंगे वोट : उपायुक्त

18 अक्टूबर से शुरू होगी नामांकन प्रक्रिया, अंतिम तिथि 25 अक्टूबर

आजाद सिपाही संवाददाता

खूटी। खूटी जिले की दो विधानसभा क्षेत्रों खूटी और तोरपा में विधान सभा चुनाव के पहले चरण में 13 नवंबर को वोट डाले जायेंगे। विधानसभा आम निर्वाचन 2024 को लेकर मंगलवार को भारत निर्वाचन आयोग, नयी दिल्ली द्वारा राज्य में आदर्श आचार संहिता की घोषणा के साथ ही चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। आदर्श आचार संहिता की घोषणा के पश्चात जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव कार्यक्रम सहित अन्य बातों की जानकारी दी। उपायुक्त ने कहा कि झारखंड में दो चरणों में



विधानसभा चुनाव संपन्न होना है। खूटी एवं तोरपा विधानसभा क्षेत्र में पहले फेज यानी 13 नवंबर को मतदान होना है। 18 अक्टूबर से उम्मीदवारों के लिए नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ होगी। नामांकन की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर निर्धारित है। 30 अक्टूबर को

उम्मीदवारों के नाम फाइनल होंगे, जिसके पश्चात 13 नवंबर को सुबह 7 से शाम 5 बजे तक मतदान होगा और 23 नवंबर को मतगणना होगी। आदर्श आचार संहिता लागू होते ही 24 से 72 घंटे के अंदर सभी राजनीतिक दलों का बैनर पोस्टर हटाना

जायेगा। आदर्श आचार संहिता के संबंध में राजनीतिक दलों के साथ भी बैठक कर संपूर्ण जानकारी दी जायेगी। विधानसभा निर्वाचन को लेकर विभिन्न कोषांग का गठन किया गया है। स्वीप कोषांग द्वारा वृहद रूप से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। डीसी ने कहा कि लोकसभा आम चुनाव में मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी हुई थी। हमारा प्रयास है कि विधानसभा चुनाव में भी मतदान प्रतिशत को और बढ़ाएं। मीडिया के माध्यम से उन्होंने अपील की कि मतदान के दिन लोग घरों से बाहर निकाल कर अपने मतदान केंद्र पर जाएं और अपने मताधिकार का प्रयोग

अवश्य करें। यदि किसी व्यक्ति का नाम अब तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं हो पाया है, तो फार्म 6 भर कर मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराए या अपने वीएलओ से संपर्क करें। नामांकन की अंतिम तिथि से 10 दिन पूर्व तक मतदाता सूची में नाम जोड़ने का कार्य किया जायेगा। मतदान केंद्रों पर सुविधा को और भी दुरुस्त करने का कार्य किया जा रहा है। विधानसभा चुनाव में 120 महिला वृथ बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

साथ ही चीडब्ल्यू बूथ, मैनेज्ड बूथ, मॉडल बूथ और कल्चरल थीम पर आधारित बूथ का भी निर्माण कराया जायेगा।

एनके प्रबंधन के साथ वार्ता के बाद बीसीकेयू का धरना खत्म

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। बिहार कोलियरी कामगार यूनियन के द्वारा 16 सूत्री मांगों को लेकर महाप्रबंधक कार्यालय के गेट के समक्ष भूख हड़ताल और धरना प्रदर्शन किया गया। जिसके बाद एनके एजेंसी के जीएम ने वार्ता के लिए यूनियन के लोगों को बुलाया गया और लिखित में प्रबंधन के द्वारा 19 अक्टूबर को फूल बेंच के साथ बैठक करने का निर्णय लिया गया। यूनियन ने आचार संहिता लागू के कारण अपना अनिश्चितकालीन धरना को समाप्त कर दिया और यूनियन के सीपीएल अध्यक्ष बसंत कुमार ने कहा की प्रबंधन अगर हमारी मांगों को पूरा नहीं करती है तो आने वाले दिनों में आंदोलन और तेज किया जायेगा। यूनियन के द्वारा स्थानीय विस्थापित बेरोजगारों को



75 प्रतिशत आउटसोर्सिंग में नियोजन देने, तुमगां एव विश्रामपुर पंचायत के लोग जो भूमिगत खदान के ऊपर रह रहे हैं उन्हें पुनर्वास नीति के तहत विस्थापन करने जर्जर आवास की मरम्मत, कॉलोनी में नियमित जलापूर्ति करने आदि कई मांग शामिल है। इस धरना प्रदर्शन में मुख्य रूप से, बसंत कुमार धनेसर तुरी, रतिया गंडू, इरफान खान, जंग बहादुर राम,

दीपक महतो, तौहीद अंसारी, प्रिंस खान, राजकुमार महतो, मुन्ना गंडू, लखन महतो, आशीष शर्मा, उमेश यादव, दानिश खान, किरन देवी, निशा देवी, अरसद अली, महेश महतो, मनोज पासवान, चंदन महतो, प्रकाश राम, संदीप कुमार, उपेंद्र महतो, नीरू महतो, कुलदीप महतो, प्रदीप महतो, अमन कुमार, महेश महतो, राहुल साव, विवेक कुमार राम, आदि लोग मौजूद थे।

केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का जायजा लेने नेशनल लेबल मॉनिटरिंग टीम पहुंची खूटी

आजाद सिपाही संवाददाता

खूटी। केंद्र सरकार द्वारा संचालित लोक कल्याणकारी योजनाओं की स्थिति का जायजा लेने के लिए नेशनल लेबल मॉनिटरिंग टीम मंगलवार को खूटी पहुंची। खूटी में 22 अक्टूबर तक रहकर टीम विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं का पर्यवेक्षण, अनुश्रवण करेगी। यह टीम विभिन्न पंचायतों में जाकर योजनाओं की स्थिति की जानकारी लेगी। खूटी पहुंचने के बाद नेशनल लेबल मॉनिटरिंग टीम में शामिल अधिकारियों ने परिसर, खूटी में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर केंद्र सरकार द्वारा क्रियान्वित योजनाओं की समीक्षा की। क्षेत्र भ्रमण के दौरान मनरेगा, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा एवं पेंशन योजना,



प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना सहित अन्य योजनाओं की धरातल पर स्थिति का जायजा लिया जायेगा। साथ ही लाभार्थियों के चयन में पारदर्शिता और निष्पक्षता के संबंध में जानकारी ली जायेगी। इसी क्रम में एनएएम सुधांशु कर और सत्यरंजन राउत द्वारा खूटी प्रखंड की अनिगड़ा पंचायत के बारूडीह ग्राम में क्रियान्वित योजनाओं का जायजा लिया गया।

16 अक्टूबर को नेशनल लेबल मॉनिटरिंग टीम लांदुप पंचायत के सिरूम और तिरला पंचायत के बगडू में आरसेटी का भ्रमण कर योजनाओं की जानकारी प्राप्त करेगी। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी सामाजिक सुरक्षा प्रखंडों के बीडीओ, विभिन्न विभागों के कार्यपालक अभियंता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

विधायक ने मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना निर्माण कार्य की आधारशिला रखी

बुड़ू (आजाद सिपाही)। बुड़ू प्रखंड के हुमटा पंचायत स्थित लोटेहातु ग्राम में बालाडिंग से लोटेहातु होते हुए कुचीडीह तक 6 किलोमीटर सड़क मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना निर्माण कार्य की आधारशिला तमाड़ विधायक विकास मुंडा ने रखी। इस मौके पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा प्रदेश की हेमंत सोरेन सरकार ने महिलाओं को सम्मान और गरीबों के हित में बिजली माफी और किसानों के कृषि ऋण को माफ किया गया है। इस मौके पर प्रदीप मुंडा, उमेश महतो, बासु सेट, बबलू कुंडू, शिव गोंडू, कालेश्वर मुंडा, शिवनाथ मुंडा, धनंजय महतो, सीता नाथ महतो, रोहित कुमार के अलावा महिला पुरुष मौजूद थे।

भाकपा माओवादी नेता जया की इलाज के क्रम में निधन को लेकर बंद का व्यापक असर रहा



बुड़ू (आजाद सिपाही)। प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी नेता जया की इलाज के क्रम में निधन को लेकर आहुत झारखंड बंद को लेकर मंगलवार को पूरे बुड़ू क्षेत्र में बंद का व्यापक असर रहा। बुड़ू बस स्टैंड से रांची खूटी रामगढ़ पुरलिया टाटा जाने वाली एक भी बस नहीं खुली। वहीं बुड़ू बाजार के सभी व्यवसायिक प्रतिष्ठान पूरी तरह बंद रहा। निजी स्कूलों को भी बंद रखा गया। ग्रामीण सड़क पर सन्नाटा पसरा रहा। वहीं रांची टाटा रोड पर वाहनों का आगमन काफी कम रही। इससे लाखों रुपये की आय व्यय पर असर पड़ा। इधर बंद के मध्ये नजर अनुमंडल पुलिस प्रशासन की ओर से पेट्रोलिंग गाड़ी लगाकर गश्ती करते देखा गया। समाचार लिखे जाने तक कहीं से कोई अग्रिय घटना की समाचार नहीं है।

मानव श्रृंखला बनाकर छात्र-छात्राओं ने दिया मतदाता जागरूकता का संदेश



खूटी (आजाद सिपाही)। बिरसा कॉलेज खूटी में स्वीप कोषांग के मार्गदर्शन में कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने मंगलवार को मानव श्रृंखला बनाकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया। साथ ही सभी को मतदाता शपथ भी दिलाई गयी। कार्यक्रम के माध्यम से 18 वर्ष के युवाओं को नया मतदाता बनने के लिए भी प्रेरित किया गया। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा छात्र-छात्राओं से अपील की गयी कि वे अपने अधिभावकों एवं अपने आसपास रहने वाले लोगों को मतदान के लिए जरूर प्रेरित करें, ताकि जिले में मतदान का प्रतिशत बढ़ाया जा सके। मानव श्रृंखला के माध्यम से संदेश दिया गया कि सभी मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करें और बिना किसी दबाव, लोभ-लालच अथवा बिना किसी से प्रभावित हुए सही उम्मीदवार को मत देकर अपने नैतिक जिम्मेवारी का निर्वहन करें।

मैकलुस्कीगंज में जुटे देश-विदेश के एंग्लो इंडियन

आजाद सिपाही संवाददाता

मैकलुस्कीगंज। मैकलुस्कीगंज में ऑल इंडिया एंग्लो इंडियन एसोसिएशन का मिलन समारोह कार्यक्रम डॉन बॉस्को एकेडमी में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय एंग्लो-इंडियन एसोसिएशन के अध्यक्ष-प्रमुख बैरी ओ'ब्रायन, उपाध्यक्ष डॉ आस्कर निगली, पूर्व विधायक उपाध्यक्ष, बर्नार्ड रोड्रिग्स-वीपी, विधायक ग्लेन जोसफ गालस्टोन और सदस्य शशि निकाय डॉ लॉरेंस जेनकिंस, वॉरेन लाटोचे, एरिक डी रोजारियो, लेवेलिन डी रोजारियो, डॉ चेरिल-एन शिवन, डॉ मेल्वे कोप और यूजीलैंड के मेहमान कीथ बटलर और रॉबिन एंड्रयूज शामिल हुए। इस मिलन समारोह का मुख्य उद्देश्य समुदाय को मैकलुस्कीगंज के बारे में जानना और उसका अनुभव कराना था। कार्यक्रम की शुरुआत डॉन बॉस्को एकेडमी मैकलुस्कीगंज के प्रिंसिपल जोशी



टीडी द्वारा गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुई। डॉन बॉस्को एकेडमी मैकलुस्कीगंज के निदेशक अफ्रेड जॉर्ज डे रोजारियो ने इसके बाद देश भर के एंग्लो-इंडियनों के साथ-साथ मैकलुस्कीगंज के स्थानीय एंग्लो-इंडियनों के प्रतिष्ठित सदन को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने मेहमानों को ईटी. मैकलुस्की की कॉलोनाइजेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के बारे में बताया, जिसका गठन 1933 में हुआ था जब रातू के महाराजा ने उनके साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे कि एंग्लो-इंडियन नौ गांवों

में गैर-कब्जा वाली जमीन पर अपनी बस्ती बना सकते हैं। इस बात पर भी सहमति हुई कि बसने वालों को नदियों और पहाड़ियों का अधिग्रहण करने की अनुमति नहीं दी जायेगी। कॉलोनाइजेशन सोसाइटी ने हरहु, दुल्ली, रामदगा, कोनका, लरारा, हेसालोंग, मायापुर, महूलिया और बसरिया गांवों में फेली 10,000 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया। सोसाइटी को एक कंपनी के रूप में पंजीकृत किया गया और उसने उन एंग्लो-इंडियनों को शेयर बेचना शुरू कर दिया जो नई कॉलोनी में बसना चाहते थे।

खूटी के विधायक ने गिनायी अपने कार्यकाल की उपलब्धियां जिन्हें खूटी का विकास नहीं दिखता, उन्हें अपने चश्मे का पावर ठीक कराना होगा : नीलकंठ

आजाद सिपाही संवाददाता

खूटी। खूटी के विधायक और भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि जनता के स्नेह और आशीर्वाद से पिछले 25 वर्षों से लगातार खूटी का विधायक रहा हूं। अपने कार्यकाल में मैंने खूटी विधानसभा क्षेत्र के तीनों प्रखंडों के हर गांव में जनता की मांग और जरूरत के मुताबिक विकास योजनाओं को पहुंचाया। खूटी विधानसभा के 98 फीसदी गांवों में बिजली पहुंच गयी। 25 वर्षों के दौरान 41 उच्च स्तरीय पुल और सिंचाई के लिए 2500 डोबा और तालाबों का निर्माण कराया। इसके बाद भी विपक्ष के नेता कहते हैं कि खूटी का कोई विकास नहीं हुआ, तो उन्हें अपने चश्मे का पावर बदलने की जरूरत है। विधायक मंगलवार को अपने



आवास पर पत्रकार सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। नीलकंठ सिंह मुंडा ने जोर देते हुए कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि आगामी विधानसभा चुनाव में भी क्षेत्र की जनता का स्नेह और आशीर्वाद मुझे अवश्य मिलेगा। उन्होंने कहा कि पांच विधानसभा चुनावों में उनकी जीत का अंतर लगातार बढ़ता गया। उन्होंने 25 वर्षों के दौरान किए गए कार्यों की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि सड़क और पुल पुलिया के साथ ही

आम बागवानी, सरना घेराबंदी, महिला सशक्तीकरण, युवाओं की प्रतियोगिता का तराशन, डोभा-तालाब निर्माण, पेयजलापूर्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं ऊर्जा सहित अन्य सभी क्षेत्रों में काम किए गए। उन्होंने बताया कि खूटी विधानसभा क्षेत्र के हर गांव एवं टोलों तक आवागमन की सुविधा बहाल करने के लिए पथ निर्माण विभाग से 12 लंबी सड़कें और पांच उच्च स्तरीय पुलों का निर्माण कराया गया। इसी प्रकार ग्राम्य अभियंत्रण संगठन के

द्वारा 303 ग्रामीण सड़कों और 40 उच्च स्तरीय पुलों का निर्माण कराया गया। विधानसभा क्षेत्र के सभी प्रखंडों में विद्युत सब स्टेशन और खूटी के जापुत में पावर ग्रिड का निर्माण कराया गया। इसके साथ ही खूटी में ट्रांसफॉर्मर रिपेयरिंग वर्कशॉप का निर्माण किया गया। विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 315 सरना व मरसना स्थलों की घेराबंदी की गयी। खूटी मुरुह एवं फ्रैंड में नल से जल पहुंचाने के लिए पेय जलापूर्ति योजना को स्वीकृति प्रदान कर उस पर काम शुरू कराया गया। खूटी की तजना नदी और मुरुह की बर्नई नदी में जल भंडारण के लिए बिबर का निर्माण किया गया। शहीद स्थल डोंबारी बिरा का सौंदर्यीकरण और मजबूतीकरण के साथ ही वहां तक पहुंच पथ का निर्माण कराया गया।

इसी प्रकार बिरसा मुंडा के सेनापति रहे सरदार गया मुंडा के गांव एटकेडीह का विकास कर वहां बिजली, पानी सहित अन्य सुविधाएं बहाल की गईं। खूटी मुरुह और करं में प्रखंड भवन के साथ ही स्टाफ क्वार्टर का निर्माण कराया गया। उन्होंने कहा कि शुरू से ही क्षेत्र के लोगों के लिए सहज सुलभ रहने का उनका प्रयास आगे भी इसी प्रकार जारी रहेगा। वे जनता के हर सुख-दुख में शामिल होते रहेंगे और उनकी समस्याओं का निराकरण करते रहेंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में विधायक प्रतिनिधि काशीनाथ महतो, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष कैलाश राम, जिला महामंत्री विनोद नाग, मंडल अध्यक्ष अर्जुन जाहन, रूपेश जयसवाल, सुरेश जयसवाल सहित अन्य मौजूद थे।

राज्यस्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए खूटी की सौ सदस्यीय टीम रवाना

आजाद सिपाही संवाददाता

खूटी। खेलो झारखंड अंतर्गत राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन बिरसा मुंडा एथलेटिक स्टेडियम खेलगांव में 16 से 19 अक्टूबर तक किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में खूटी जिले की 100 सदस्य टीम भाग लेगी।

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों को अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी अरुण पॉल चौधरी और जिला शिक्षा अधीक्षक ने झंडा दिखलाकर खिलाड़ियों को



विदा किया। खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अनुमंडल पदाधिकारी तथा जिला शिक्षा पदाधिकारी ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। 100 सदस्यीय

टीम के साथ शारीरिक शिक्षा शिक्षक मो रियाज आलम, सिकंदर पुराण, अनिल प्रकाश सोय, अमृता कुमारी मेहता, जोलेन तोपनो खेल गांव के लिए रवाना हुए।

डायरिया का प्रकोप, चार लोग अस्पताल में भर्ती

आजाद सिपाही संवाददाता

ईचागढ़। गुदडी पंचायत के खूनडीह गांव में डायरिया का प्रकोप जारी है। वर्तमान में सात लोग डायरिया की चपेट में हैं, इन्में से चार का इलाज अस्पताल में चल रहा है। हालात बिगड़ने के बाद डायरिया पीड़ितों के

परिजनों ने पातकुम स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ईचागढ़ पहुंचाया। खूनडीह के 22 वर्षीय संतोष माझी, 54 वर्षीय कमला माझी, 55 वर्षीय दुर्गांमणी माझी और छह वर्षीय अंजु माझी का इलाज अस्पताल में चल रहा है। कमला माझी को एमजीएम

रेफर किया गया है। सुखराम हेब्रम मंगलवार को खूनडीह गांव पहुंचे। एवं सभी का हालचाल जाना। एवं पीड़ित परिवार के बीच सुखराम हेब्रम ने आवश्यक दवाई, ब्लॉकिंग पाउडर, औआरएस, डीडीटी का वितरण किया।

अरसंडे में विधायक समरी लाल व उप प्रमुख अंजय बैठा ने किया सड़क का शिलान्यास



कांके (आजाद सिपाही)। कांके प्रखंड क्षेत्र के अरसंडे बजरंगबली मंदिर समीप विधायक समरी लाल और प्रखंड के उप प्रमुख अंजय बैठा ने ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा बनने वाली 1.320 किलोमीटर पथ का शिलान्यास किया। शिलान्यास के दौरान दोनों ने नारियल फेंड़ कर पूजा अर्चना भी किया। शिलान्यास बाद विधायक समरी लाल ने बताया कि यह पथ मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढीकरण योजना अंतर्गत अरसंडे ग्राम बजरंगबली मंदिर से बोड़िया पंचायत भवन तक 1.320 किलोमीटर का सड़क विशेष परियोजना कार्य के तहत बनेगा। इसकी लागत राशि 92 लाख रुपये हैं। इसके संवेदक सुनील बरियार हैं। कांके, बुद्धम और मेसरा में ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा 14 कार्य को कराया जाना है जिसका शिलान्यास किया जा रहा है। जिसकी लागत राशि 39 करोड़ रुपए है। विधायक समरी लाल ने ग्रामीण और भाजपा कार्यकर्ताओं से विशेष आग्रह किया कि यह सड़क आपकी अपनी है। इस मौके उप प्रमुख अंजय बैठा, झारखंड राज्य मुखिया संघ के अध्यक्ष सह बोड़िया पंचायत के मुखिया सोमा उरांव, कांके मंडल भाजपा अध्यक्ष प्रभात भूषण महतो, पूर्व मंडल अध्यक्ष राम लखन मुंडा, गिरजा राजा पांडेय, काजू डे, पंकज वर्मा, बबलू ठाकुर, जितु सदस्य किरण देवी सहित ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता और अभियंता उपस्थित थे।

खिजरी विधायक की अनुशंसा पर नामकुम में नाली निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास



नामकुम (आजाद सिपाही)। वार्ड 47 अंतर्गत नामकुम जोरार बस्ती में खिजरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेश कच्छप की अनुशंसा पर लीची बागान अशोक यादव के घर से पुरुलिया मेन रोड तक और रमेश पांडेय के घर से ट्रांसफार्मर तक आरसीसी नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कांग्रेस कमेटी रांची जिला उपाध्यक्ष रमेश पांडेय, नामकुम शहरी प्रखंड अध्यक्ष रीना सांगा एवं नामकुम समाजसेवी अनिल अग्रवाल ने संयुक्त रूप से नारियल फेंड़कर किया। मौके पर उपस्थित लोगों ने इस कार्य को क्षेत्रीय स्वच्छता और जल निकासी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। रमेश पांडेय ने कहा कि नाली निर्माण कार्य से अब लोगों को राहत मिलेगी और जलजमाव की स्थिति में सुधार होगा। रीना सांगा ने कहा यह नाली निर्माण कार्य केवल जल निकासी को सुधारने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्थानीय निवासियों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए भी महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर बीसा पंचायत अंगणवाड़ी की पूर्व मुखिया, अनिल अग्रवाल, रामकुमार सिंह यादव, सुशील अग्रवाल, विनय सिंह, अखिलेश सिंह, बिक्रती सिंह, मयूज्यंज मिश्रा, अनिल यादव, भगवान सिंह, आत्मानंद पांडेय, रामा शंकर तिवारी आदि उपस्थित थे।

मुखिया ने किया पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास



अनगड़ा (आजाद सिपाही)। सिरका पंचायत के मुखिया रोशनलाल मुंडा ने मंगलवार को अपने पंचायत क्षेत्र में 15वीं वित्त आयोग मद से बनने वाले पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। उन्होंने सबसे पहले सिरका पंचायत में जगेश्वर महतो के घर से लखना टांड तक 200 फीट पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। उसके बाद सेढ़ेंटुंगरी में रंजु महतो के घर से श्याम महतो के घर तक 200 फीट पीसीसी पथ निर्माण कार्य की आधारशिला रखी। मौके पर पंसस प्रतिनिधि साहेबराज महतो, ग्रामप्रधान बाबूलाल मुंडा, शिवशंकर मुंडा, जगन् मुंडा, जगेश्वर महतो, करमलाल महतो, पारसनाथ महतो, वार्ड सदस्य प्रणव महतो, रीता देवी, फलींद महतो, अजय नायक, जितेंद्र महतो आदि मौजूद थे।

बीएयू कार्य और संयंत्र के उपनिदेशक बने नसीम अली

कांके (आजाद सिपाही)। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कार्य एवं संयंत्र विभाग के उपनिदेशक के पद पर कार्यरत भोला अग्रवाल का कार्यकाल समाप्त हो गया। वहीं अनुबंध पर उपनिदेशक के पद पर नसीम अली को नियुक्त किया गया है। बताया चले कि नसीम अली कार्यपालक अभियंता पद से भ्रमण निर्माण विभाग से सेवानिवृत्त हुए थे। पदभार ग्रहण कर नसीम अली ने कहा कि विश्वविद्यालय के हित में कार्य करने को हर संभव प्रयास करेंगे कि मेरे विभाग द्वारा आवंटित कार्यों को नियम अंतर्गत एवं गुणवत्तापूर्ण हो। इसके लिए सभी संवेदक व इंजीनियर लोग मिलजुल कर कार्य करें। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय राज्य का गौरव है सरकार भी हर संभव सुविधा दे रही है पदभार ग्रहण के समय कार्य और संयंत्र विभाग के मनीष सिंह, मुख्तार मंसूरी, रवेश कुमार, जियाउद्दीन अंसारी, इन्द्रजीत कुमार, कौशल उपाध्यक्ष सहित अन्य कर्मचारी व संवेदक उपस्थित थे।

प्रशासनिक अधिकारियों और नगड़ी प्रखंड के जनप्रतिनिधियों की बैठक आयोजित



पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी प्रखंड के सभागार में मंगलवार को प्रखंड के प्रशासनिक अधिकारियों और नगड़ी प्रखंड के जनप्रतिनिधि की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का अध्यक्षता नगड़ी प्रखंड प्रमुख मद्रवा कच्छप ने की। मौके पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि इस जनप्रतिनिधियों का का चयन मंगलवार को 30 माह हो गया है, जिसमें आज तक जनप्रतिनिधि और अधिकारियों की बैठक मात्र तीन बार हुआ है, यह दुर्भाग्य है। वहीं बैठक में उपस्थित नगरी प्रखंड विकास पदाधिकारी दीपाती भगत ने कहा कि सभी के आपसी समन्वय स्थापित कर ही प्रखंड का विकास हो सुनिश्चित करेंगे। बैठक में अधिकारियों में सीडीपीओ लक्ष्मी भारती, बीपीओ अनुजा कुमारी, बीएसओ छवि बैठा, राजस्व कर्मी नेशाद अहमद, प्रदीप कुमार, पंचायत सचिव सालिक लोहार, रोजा उरांव शामिल थे। वहीं बैठक में मुख्य रूप से उप प्रमुख अफसाना प्रवीण, पंचायत सचिव सदस्य में शीला देवी, गुलरज अंसारी, अनीता देवी, करुणा देवी, दुर्गा पूर्ति, सोमनाथ उरांव सहित कई विभागों के पदधारी उपस्थित थे।

भंगी नदी पुल पर दुर्घटना में पत्नी की मौत और दो बच्चे समेत तीन घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

लापुंग। लापुंग लालगंज भंगी नदी पर सड़क दुर्घटना में एक की मौत और तीन घायल हो गये। मृतक पुष्पा मुंडाइन (27) पति सुरेश मुंडा, गांव लालगंज की गाड़ी भंगी नदी पुल से नीचे गिरने से मौत हो गयी और पति सुरेश मुंडा और दोनों बच्चे घायल हो गये। घायल सुरेश मुंडा चालक के सिर पर चोट, अनिता मुंडा (09) वर्ष का बाया पैर टूट गया, अविता मुंडा (05) वर्ष का सिर में गंभीर चोर लगी है जिससे नाक और मुंह से खून निकल रहा था। गंभीर अवस्था को देखते हुए दोनों बच्चों को प्राइवेट कार से रिस्स ले जाया गया। एंबुलेंस कर्मियों के हड़ताल के कारण घायलों को रिस्स ले जाते समय काफी परेशानी हुई।



मोटरसाइकिल दुर्घटना के बाद लोगों की भीड़ भंगी नदी पर।



प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक पुष्पा मुंडाइन को लापुंग के एसआई राजेंद्र कुमार महतो ने पहुंच कर लाश को अपने कब्जा में लेकर पोस्टमार्टम के लिए

सामुदायिक स्वस्थ केंद्र लापुंग लाया। डा नमिता लकड़ा और डा सुबोध सिंहा ने प्राथमिक उपचार के उपरांत दोनों बच्चों को रिस्स रेफर किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लापुंग से अपने घर गाड़ी गांव की ओर लौट रहा था तभी उनका पल्सर मोटर साइकिल भंगी नदी के पास संतुलन बिगड़ जाने के कारण यह घटना घटी, जिसमें पत्नी भंगी नदी में गिर गयी जिससे घटना स्थल पर की मौत हो गयी। तीनों घायल सभी पुल के ऊपर गिरने से घायल हो गये। घटना स्थल पर विधायक प्रतिनिधि सुदामा महली, उपप्रमुख विश्वनाथ मुंडा मुखिया सारीज मुंडा, सबिता उरांव हॉस्पिटल पहुंचे और प्राइवेट वाहन से रिस्स भेजे।

होटल संचालक भोला मिश्रान्न भंडार पर लोगों का फूटा गुस्सा

बीच सड़क पर खड़ी गाड़ियों के कारण रोज होती है दुर्घटना एक के बाद एक तीन गाड़ियां आपस में जा टकरायी

आजाद सिपाही संवाददाता

चान्हो। बिजुपाड़ा चौक में अवस्थित भोला मिश्रान्न भंडार द्वारा अवैध पार्किंग कर सड़क पर ही गाड़ियों को खड़ा कराया जाता रहा है। जिससे आये दिन दुर्घटना होती है। कोई ना कोई व्यक्ति घायल होता है। बुधवार को शाम 6: बजे के करीब इसी तरह का कुछ नजर देखा गया। जहां एक साथ तीन गाड़ियां एक दूसरे से जा टकरायीं। पहले टबों ने कार को मारी टक्कर, पीछे से अनियंत्रित बाइक इस से जा टकरायी। हालांकि कार में किसी को गंभीर चोट नहीं आयी, लेकिन



सड़क पर अतिक्रमण या बाधा उत्पन्न करने का किसी को अधिकार नहीं : पुलिस अधीक्षक
दूरभाष पर संपर्क करने पर जिला के ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल ने कहा कि सड़क पर अतिक्रमण या बाधा उत्पन्न करने का किसी को अधिकार नहीं है, यदि इस तरह का कार्य कोई करता है तो उसके विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई होगी।

भीड़ में एकत्रित लोगों ने एक स्वर में 'होटल संचालक के विरुद्ध आवाज बुलंद की और कहा कि अवैध पार्किंग की व्यवस्था यहां पर से अविचलित हटायी जाये, ताकि भविष्य में किसी भी तरह की अनहोनी ना हो। इसकी सूचना

गोगो दीदी योजना का भाजपा नेता ने भरवाया फॉर्म



नामकुम (आजाद सिपाही)। नामकुम के लोवाडीह सामलोग में मंगलवार को भाजपा नेता प्रभुदयाल बड़ाईक ने जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने गोगो दीदी योजना के तहत महिलाओं को फॉर्म भरवाया और कहा कि भाजपा द्वारा छह अक्टूबर से गोगो दीदी योजना का फॉर्म भरवाया जा रहा है। इसके तहत अगर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनती है तो महिलाओं को 21 सौ रुपए दिया जायेगा। मौके पर सुनीता कैथा, खुशी कुमारी, रानी कैथा, अंजली कैथा, सरस्वती कैथा, शांति, प्रतिमा, लक्ष्मी आदि महिलाएं उपस्थित थीं।

रातू सिमलिया रिंग रोड में भिला युवक का शव

रातू। थाना क्षेत्र के सिमलिया रिंग रोड स्थित रामू दाबा के पास से पुलिस ने सोमवार की रात एक युवक का शव बरामद किया है। आशंका जतायी जा रही है कि किसी अज्ञात वाहन के धक्के से इसकी मौत हो गयी। घटना रात 12 बजे की बतायी जा रही है। शव की पहचान नहीं हो पायी है। पुलिस शव को कब्जे में कर पंचनामे के बाद पोस्टमार्टम के लिए रिस्स भेज दिया।

हुरहुरी में बिजली चोरी करते एक पकड़ाया

रातू। झारखंड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड, बिजली चोरी के खिलाफ निगम के आदेश पर विभाग की ओर से गठित टीम ने मंगलवार को इलाके के हुरहुरी में बिजली चोरी के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया। आरोपी में हुरहुरी निवासी सलीम अंसारी पिता मोहम्मद अंसारी है। मामले को लेकर विभाग की ओर से रातू थाने में प्राथमिकी दर्ज कराया गया है।

दुर्घटना चिंताजनक, पर सरकार पीड़ितों के साथ खड़ी है : नेहा

मांडर की सड़क दुर्घटना के मृतकों के आश्रितों को अनुग्रह राशि वितरित

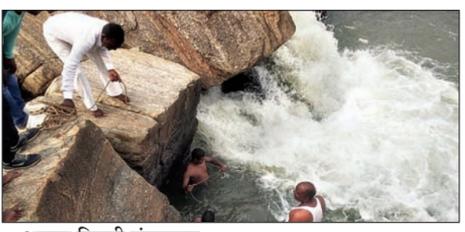
आजाद सिपाही संवाददाता

मांडर। मांडर के प्रखंड मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में श्रीमती तिकी ने मंगलवार को मांडर सड़क दुर्घटना में मृत व्यक्तियों के आश्रितों को अनुग्रह राशि वितरित करते हुए भविष्य में भी हर संभव मदद का आश्वासन दिया। मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिकी ने कहा है कि कोई भी दुर्घटना दुर्भाग्यपूर्ण है और इससे मृतकों के परिजनों को होनेवाली क्षति की भरपाई असंभव है, लेकिन हेमंत सरकार हर कदम पर पीड़ितों के साथ है।



रजनी ग्राम एक्का पति जोसेफ सरगांव जेंडर किस्पोट्टा, विनीत किस्पोट्टा के आश्रित, डहरू उरांव पिता स्व० गनसा उरांव, मृतक सुशील उरांव के आश्रितों, एतावा भिंज, पिता स्व० चरवा भिंज, मृतक सुकरो उराइन के आश्रित, अनीता उरांव पति अनिल उरांव के आश्रित, मृतक विकास उरांव के आश्रित, आवेदक जतरू उरांव पिता स्व० मोती उरांव और मृतक

हुंडरू घूमने आया बंगाल का छात्र पानी के तेज बहाव में बहा



आजाद सिपाही संवाददाता

सिकिदिरि। हुंडरू फॉल घूमने पहुंचे बंगाल के एक छात्र पानी के तेज बहाव में बहा। घटना मंगलवार की दोपहर की है। जानकारी के अनुसार डब्ल्यू बी 33 डी 6020 बस में सवार होकर 75 छात्र आईडल कोचिंग सेंटर पश्चिम मिनदुपुर बंगाल से हुंडरू फॉल घूमने पहुंचे थे। सभी हुंडरू फॉल के नीचे घुमने पहुंचे थे। वहीं दो छात्र शिक्षक के मना करने के वावजूद डेंजर जोन में नहाने के लिए चला गया। देखते ही देखते एक छात्र अनामिस दास

18 वर्ष पानी के तेज बहाव में बह गया और पानी के गहराई में चला गया। वहीं दुसरे छात्र ने अनामिस दास को डुबते देख जोर जोर से चिलाने लगा। आवाज सुनकर कुछ दुरी पर तैनात पर्यटक कर्मी बुधराम बेदिया डेंजर जोन के करीब पहुंचा तब तक बहुत देर हो चुकी थी। अनामिस 12वीं का छात्र था। इधर सूचना मिलने पर हुंडरू फॉल में तैनात पर्यटक कर्मी और सिकिदिरि पुलिस अपने स्तर से शव को निकालने का काफी प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली।

पूर्व मुखिया साजर तिकी का निधन

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के कर्जनी पंचायत के पूर्व मुखिया सह मुखिया संघ के अध्यक्ष खत्री खटंगा गांव निवासी 44 वर्षीय साजर तिकी का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार की सुबह नौ बजे अपने आवास में आकस्मिक निधन हो गया। पूर्व मुखिया के निधन की खबर सुनते ही पूरे प्रखंड क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गयी। मृतक पूर्व मुखिया के छोटे भाई



फाइल फोटो साजर तिकी।

आशीष तिकी ने बताया कि उनका आकस्मिक निधन किडनी की बीमारी के कारण हुई है। उनका इलाज दिल्ली, मेरठ और रांची के देवकमल हॉस्पिटल से चल रहा था। जहां रविवार को डायलिसिस करा कर लाये थे और बुधवार को फिर ले जाना था। वे अपने पीछे मां धर्मनिया तिकी, पत्नी रीता तिकी, बेटा ब्लेश तिकी, बड़े भाई चाजरस तिकी, बहन आशियान तिकी व निगर तिकी सहित भ्रातृ परिवार छोड़ गये। इनके अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग उनके घर पहुंचे। वहीं पूर्व उप प्रमुख धनंजय कुमार राय, पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा, सुनील कच्छप, मुखिया सुशांत भगत, नीरज कुजूर, लक्ष्मी कोथा, अनिता बाड़ा समेत अन्य समाजसेवियों और जनप्रतिनिधियों ने उनके निधन पर गहरा शोक प्रकट करते हुए इसे अपूर्णीय क्षति बताया है। अंतिम संस्कार बुधवार 10 बजे पैतृक गांव खत्री खटंगा के मसना में किया जायेगा।

विद्यासागर पब्लिक स्कूल में अब्दुल कलाम आजाद की जयंती मनायी गयी

बेड़ो (आजाद सिपाही)। विद्यासागर पब्लिक स्कूल में मंगलवार को डा एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती के अवसर पर विश्व छात्र दिवस मनाते हुए स्कूल के बच्चों ने उनको याद किया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने जमीन पर घास और पेंसिल के सहयोग से एपीजे अब्दुल कलाम की आउटलाइन स्केच बनाई तथा मिसाइल मैन की जीवनी के बारे में संभाषण प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमें बच्चों ने उनके विचार एवं आदर्श को याद किया। मौके पर विद्यालय के निदेशक ललन सिंह ने कहा कि उनका जीवन छात्रों के लिए सदा प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षकों ने सहयोग किया।



108 एंबुलेंस के चालकों की हड़ताल के कारण बाइक और ऑटो से सीएचसी पहुंच रहे मरीज

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय सहित प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में एंबुलेंस चालकों और टैक्नीशियन की हड़ताल के कारण मरीज और स्वजन परेशान हैं।



सबसे अधिक परेशानी गर्भवती महिलाओं और जच्चा बच्चा को उठानी पड़ी है। वहीं प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वजन अपने मरीजों को अपने बाइक व स्कूटी वाहनों या किराये के ऑटो या अन्य वाहनों से लेकर पहुंच रहे हैं। एंबुलेंस कर्मियों की हड़ताल से मरीजों को घरो से लाने और ले जाने की पूरी व्यवस्था पटरी से उतर गयी है। बीते पांच दिनों से अपनी मांगों को लेकर एंबुलेंस चालक पूर्णतया हड़ताल पर रहे हैं। ऐसे में मरीजों और स्वजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दोपहर में एंबुलेंस की हड़ताल के चलते सीएचसी में प्रखंड के बोदा के अनिल ने बताया कि गाय के द्वारा उसके चाची को पैर में चोट लगने के कारण उन्हें ऑटो से बेड़े अस्पताल लेकर आये हैं। वहीं जमनी पंडरा के अजय बाइक से अपने दोस्त लेकर आये हैं और बेड़े के लक्ष्मण अपनी बहन को स्कूटी से लेकर सीएचसी पहुंचे।

तपस फाउंडेशन ने आरटीसी हाई स्कूल में किया पौधरोपण

आरमांडी (आजाद सिपाही)। तपस फाउंडेशन के तत्वाधान में आज आरटीसी हाई स्कूल, बुट्टी में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में 50 प्रकार के पेड़ लगाये गये। वृक्षारोपण कार्यक्रम के अवसर कई गणमान्य लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराते हुए



पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जतायी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रंजीत कुमार चौधरी, निदेशक डॉ रुद्रनारायण महतो, विकास कुमार, शैलेन्द्र कुमार, अशोक कुमार, डॉ शांति कुमारी, सुनील सिंह, विपुल सिंह और स्कूल के छात्रों ने पौधों के रखरखाव और संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना था, बल्कि पौधों की देखभाल और उनके संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी को प्रोत्साहित करना भी था। तपस फाउंडेशन लगातार विभिन्न शहरों में पर्यावरणीय जागरूकता के लिए कार्य कर रहा है और इस अभियान के अंतर्गत 52 शहरों में 200,000 पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर तपस और प्रतिभा फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने बताया कि यह अभियान न केवल धरती को हरा-भरा बनाने में सहायक होगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ पर्यावरण का उपहार भी होगा।

विधानसभा चुनाव 2024: उपायुक्त ने सभी कोषांगों के नोडल पदाधिकारी संग की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त शशि रंजन ने मंगलवार को समाहरणालय सभागार में विधानसभा चुनाव 2024 की तैयारियों के मद्देनजर सभी कोषांग के नोडल पदाधिकारियों संग की बैठक। बैठक के दौरान उन्होंने कोषांगवार विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर की जा रही तैयारियों से अवगत हुए। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से इलेक्शन मोड में रहने की बात कही। उन्होंने कहा कि बिना टीम वर्क के



चुनाव का सफल संचालन संभव नहीं है ऐसे में आवश्यकता है कि सभी लोग एकसाथ एकजुट होकर अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति का जो दायित्व है, उसका निष्पादन

नोडल पदाधिकारी अपने देख-रेख में ससमय पूरा करना सुनिश्चित करेंगे। समीक्षा क्रम में उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी रंजन ने प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी से विभिन्न स्तर के

प्रशिक्षणों की तिथि से अवगत हुए, वहीं निर्वाचन कोषांग द्वारा अबतक किये गये कार्यों की भी जानकारी ली। इसके अतिरिक्त उन्होंने संबंधितों को मतदान कर्मियों का डाटा बेस तैयार करने, लॉबिंग इंट्री को अविर्लंब पूरा करने, पोस्टल बैलेट, सुविधा केंद्र स्थापित करने, दिव्यांग मतदाताओं को सुविधा उपलब्ध कराने, वाहन कोषांग को वाहनों की संख्या का मूल्यांकन करने, सामग्री कोषांग, ईवीएम कोषांग, प्रेक्षक कोषांग, मीडिया कोषांग, स्वीप कोषांग आदि को लेकर संबंधित कोषांगों

के वरीय पदाधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिया। उन्होंने निर्वाचन, कार्मिक, वाहन, सामग्री, आदर्श आचार संहिता, मीडिया, प्रशिक्षण, प्रेक्षक, सहित अन्य कोषांगों का समीक्षा कर कई अन्य निर्देश दिये। उन्होंने इलेक्शन के सफल संचालन हेतु निर्वाचन आयोग का हैंड बुक में दिए गये निर्देशों का पालन करने के निर्देश दिये।

उन्होंने अंतर जिला पर चेकिंग अभियान को सक्रिय करने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को आदर्श आचार

संहिता के दौरान 24, 48 और 72 घंटे के प्रोटोकॉल को अनिवार्य रूप से लागू करने पर बल दिया। स्वीप कोषांग को विशेषकर स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रम के जरिए स्वीप के गतिविधियों के संचालन पर बल दिया गया। एफएसीटी और एसएसीटी के टीमों को सक्रियता के साथ अपने कार्यों का निर्वहन करने की बात कही गयी। मौके पर उप विकास आयुक्त, मेदिनीनगर नगर आयुक्त, तीनों एसडीओ, अपर समाहर्ता, समेत विभिन्न कोषांगों के नोडल पदाधिकारी मौजूद रहे।

राजद कार्यकर्ताओं की हुई बैठक, दर्जनों लोगों ने ली सदस्यता

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। राजद

के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व विधायक संजय कुमार सिंह यादव के आवास परिसर में कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। बैठक में पार्टी की सांगठनिक स्थिति पर चर्चा की गयी। इस दौरान कई लोगों ने राजद ज्वाइन किया। जिसमें अनिल रजवार, अखिलेश पासवान, शिवशंकर नागेंद्र कुमार, योगेंद्र पासवान, अमोल कुमार, कुमार, उमेश विश्वकर्मा, उमेश पासवान, नरेश राम, डोमन राम आदि समेत कई लोग राजद में शामिल हुए। प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सिंह यादव ने सभी को पार्टी झंडा ओढ़ाकर सम्मानित किया। मौके पर राजद प्रदेश महासचिव मदन पासवान, प्रदेश महासचिव रवि कुमार यादव, अनुमंडलीय अध्यक्ष खुशीदा खां, भरत पासवान, विनय सिंह यादव समेत कार्यकर्ता मौजूद थे।



हुसैनाबाद के मध्य विद्यालय में डॉ एपीजे अब्दुल कलाम का जन्मदिन मनाया गया

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)।

हुसैनाबाद शहर के मध्य विद्यालय परिसर में मंगलवार को मिसाइल मैन डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के 93वें जन्मदिन पर उनके चित्र पर माल्यार्पण करते हुये उनके बताये आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया। मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य कन्हैया प्रसाद ने उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मिसाइल मैन का सुविचार सपने वो नहीं, जो आप सोते वक्त देखते हैं, सपने वो होते हैं जो आपको सोने नहीं देते हैं। तभी उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र अक्षय कुमार, शिवांश कुमार, जूली कुमारी, एकता कुमारी, स्वीटी कुमारी, सुमन कुमारी, प्रार्थना कुमारी, जागृति कुमारी, हिमांशु राज, अनुराग कश्यप, वैष्णवी सहित अन्य प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में एच एम कन्हैया, राजेश कुमार गुप्ता, मो जुबैर अंसारी, पुष्पा कुमारी, सुष्मा पांडेय, पूनम कुमारी, राजेश सिन्हा, रश्मि प्रकाश और कम्प्यूटर शिक्षक प्रमोद मेहता आदि उपस्थित थे।



एमकेडीएवी के छात्रों ने किया मिसाइल मैन को नमन



मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। एमकेडीएवी पब्लिक स्कूल डालटेनगंज के छात्रों ने विद्यालय की प्रातः कालीन प्रार्थना सभा में मिसाइल मैन को जाने वाले भारत के पूर्व राष्ट्रपति, भारत रत्न, डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को उनकी 93वीं जयंती पर याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और नमन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य आलोक कुमार द्वारा वरिष्ठ शिक्षकों के साथ डॉ कलाम के चित्र के समक्ष वेद मंत्रोच्चार के बीच दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्पण कर किया गया। तत्पश्चात डॉ कलाम के जीवन वृत्त पर प्रकाश डालते हुए विद्यालय की दसवीं कक्षा की छात्राएं आकांक्षा तिवारी एवं अंजलि ने डॉ कलाम को महान वैज्ञानिक, उच्च कोटि का देशभक्त एवं सरल हृदय व्यक्ति बताया। छात्राओं ने डॉ कलाम के जीवन की कठिनाइयों एवं संघर्षों को रेखांकित करते हुए उनके आदर्शों एवं देश हित के कार्यों की कोटि-कोटि प्रशंसा की। आईआईएम शिलांग में छात्रों को संबोधित करते हुए हृदयाघात के कारण उनका निधन हो गया। उन्होंने देश को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने हेतु अनेक मिसाइलों के निर्माण में सहयोग किया, जिसके कारण उन्हें मिसाइल मैन के नाम से जाना जाने लगा। डॉ कलाम के आदर्श एवं राष्ट्रभक्ति की भावना हमारे लिए प्रेरणा स्रोत है। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षक सोएएसएल, एफे पांडे, नीरज श्रीवास्तव, आरके चौबे, रागिनी श्रीवास्तव, अमित त्रिपाठी उपस्थित थे। कार्यक्रम के संयोजक शिक्षक कन्हैया राय थे।

विधानसभा चुनाव 2024: सदर एसडीओ ने चुनाव के मद्देनजर क्षेत्र में जारी की निषेधाज्ञा

प्रत्याशियों, दलों और अन्य संगठनों के लिए गाइडलाइन जारी

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 की घोषणा के साथ ही जिले में आदर्श आचार संहिता लागू हो गयी। इसी क्रम में सदर अनुमंडल पदाधिकारी सुलोचना मीना ने भी संपूर्ण अनुमंडल क्षेत्र में दिनांक 15 अक्टूबर 2024 से मतगणना समाप्ति तक निषेधाज्ञा लागू कर दी है, जिसके तहत पूरे सदर अनुमंडल क्षेत्र में किसी प्रकार के घातक हथियार, आग्नेयास्त्र या विस्फोटक पदार्थ लाने एवं ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह निषेधाज्ञा सरकारी पदाधिकारी / कर्मचारी/पुलिस कृपाल धारण करने पर लागू नहीं होगी। सरकारी, अर्द्धसरकारी एवं स्थानीय संस्थाओं जैसे महाविद्यालय, उच्च विद्यालय, प्राथमिक, मध्य एवं बुनियादी विद्यालयों एवं किसी भी आम भूमि पर किसी प्रकार की आम सभा का आयोजन करने तथा पूरे अनुमंडल क्षेत्र में जुलूस निकालने पर मनाही होगी। यह निषेधाज्ञा शव यात्रा, शादी विवाह/मांगलिक कार्य पर



लागू नहीं होगी। कोई भी दल, अस्थायी या उनके सहयोगी द्वारा ध्वनि विस्तारक यंत्र का इस्तेमाल प्रातः 06 बजे से रात्रि 10 बजे तक समय सीमा के अंदर अनुमंडल कार्यालय की पूर्वानुमति प्राप्त कर ही किया जा सकेगा। उक्त समय सीमा के बाहर ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। उपर्युक्त शर्त मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा या धार्मिक स्थलों पर लागू नहीं होगी। मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर, गुरुद्वारा या अन्य पूजा स्थल पर से निर्वाचन के प्रचार को प्रतिबंधित रखा गया है। किसी सार्वजनिक/ सरकारी संपत्ति या किसी व्यक्तिगत संपत्ति पर नारा लिखना, पोस्टर पंपलेट

साटना, झंडा टांगना, सार्वजनिक सड़कों पर बैनर लगाना, होर्डिंग लगाना, तोरण द्वार लगाने पर प्रतिबंध रहेगा। किसी भी उम्मीदवार को ऐसा कोई कार्य नहीं करना है, जिससे किसी धर्म, संप्रदाय या जाति के लोगों की भावना को ठेस पहुंचे या उनमें विद्वेष या तनाव पैदा हो। मत प्राप्त करने के लिए धार्मिक, सांप्रदायिक या जातीय भावनाओं का सहारा लेने पर भी मनाही होगी। पूजा के किसी स्थान जैसे कि मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर, गुरुद्वारा आदि का उपयोग निर्वाचन प्रचार के लिए नहीं किया जा सकेगा। किसी उम्मीदवार के व्यक्तिगत जीवन के ऐसे पहलुओं की आलोचना नहीं की जानी है, जिनका संबंध उसके सार्वजनिक जीवन या क्रियाकलापों पर और न ही ऐसे आरोप लगाये जाना है, जिसकी सत्यता स्थापित न हुई हो। किसी उम्मीदवार के व्यक्तिगत जीवन के आतिथ्यपूर्ण घरेलू जीवन के अधिकार का सम्मान किया जाना है, चाहे उसके विचार कैसे भी क्यों न हो। किसी व्यक्ति के कार्यों या विचारों का विरोध करने के लिए किसी उम्मीदवार द्वारा ऐसे

व्यक्ति के घर के सामने धरना देने, नारेबाजी करने या प्रदर्शन करने की कार्यवाही का कर्तव्य नहीं किया जायेगा। उम्मीदवार को ऐसे सभी कार्यों से परहेज करना है जो चुनाव कानून के अंतर्गत अपराध हो। ऐसा कोई पोस्टर, इस्तेहार, पंपलेट पर परिपत्र निकालना जिसमें मुद्रक और प्रकाशक का नाम और पता न हो, धारा 127अ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम का उल्लंघन माना जायेगा। किसी उम्मीदवार के निर्वाचन की संभावना पर प्रतिकूल प्रभाव डालने के उद्देश्य से उसके व्यक्तिगत आचरण और चरित्र या उम्मीदवार के संबंध में ऐसे कथन या समाचार का प्रकाशन करना जो मिथ्या हो या जिसके सत्य होने का विश्वास न हो, की मनाही रहेगी। किसी चुनाव सभा में गड़बड़ी करना या विघ्न डालना आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना जायेगा। मतदान के दिन तथा मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व सार्वजनिक सभा करना वर्जित किया जाता है। मतदाताओं को रिश्तदार या किसी प्रकार का पारितोषिक देना आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की श्रेणी में आयेगा। मतदान केंद्र के 100 मीटर के अंदर किसी प्रकार का चुनाव प्रचार करना या मत

संवाचना करना आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना जायेगा। मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाने तथा ले जाने के लिए वाहनों का उपयोग करना वर्जित किया जाता है। मतदान केंद्र में या उसके आसपास विश्रुंखलर आचरण करना या मतदान केंद्र के अधिकारियों के कार्य बाधा डालना आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना जायेगा। मतदान का प्रतिरूपण करना अर्थात् गलत नाम से मतदान का प्रयास करना दंडनीय है। प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा अपने कार्यकर्ताओं को ऐसे करने से रोकना होगा। किसी भी उम्मीदवार द्वारा किसी भी व्यक्ति की भूमि, भवन अहाते एवं दिवार का उपयोग झंडा टांगने, पोस्टर चिपकाने, नारे लिखने आदि प्रचार कार्यों के लिए उसकी लिखित अनुमति के बगैर नहीं किया जायेगा और अपने समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं को भी ऐसा करने से रोकना होगा। किसी भी उम्मीदवार द्वारा उसके पक्ष में लगाये गये झंडे या पोस्टर दूसरे उम्मीदवार के कार्यकर्ताओं द्वारा नहीं हटवाया जायेगा। किसी हाट, बाजार या भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थल पर चुनाव सभा के आयोजन के लिए सक्षम पदाधिकारी से पूर्वानुमति ली जायेगी तथा स्थानीय

पुलिस थाने को ऐसी सभा के आयोजन के पूर्व सूचना दी जायेगी, ताकि शांति एवं व्यवस्था बनाये रखने तथा यातायात को निर्विघ्न करने के लिए पुलिस आवश्यक प्रबंध कर सके। प्रत्येक उम्मीदवार को किसी अन्य उम्मीदवार द्वारा आयोजित सभा या जुलूस में किसी प्रकार की गड़बड़ी करने या बाधा डालने से अपने कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों को रोकना होगा।

यदि दो भिन्न दलों एवं उम्मीदवार द्वारा आस-पास स्थित स्थानों पर सभाएं की जा रही हैं, तो ध्वनि विस्तारक का मुंह विपरीत दिशा में रखने होगा। किसी उम्मीदवार के समर्थन से आयोजित जुलूस ऐसे क्षेत्र या मार्ग से नहीं निकाला जायेगा, जिसमें कोई प्रतिबंधात्मक आदेश लागू हो। जुलूस में लोगों को ऐसी चीजे लेकर चलने से रोका जायेगा, जिसको लेकर प्रतिबंध हो या जिनका उत्तेजना के समय में दुरुपयोग किया जा सकता है। प्रत्येक उम्मीदवार को किसी अन्य उम्मीदवार के पुतले लेकर चलने या उन्हें किसी सार्वजनिक स्थान में जलाये जाने तथा किसी प्रकार के अन्य प्रदर्शन का आयोजन करने से अपने कार्यकर्ताओं को रोकना होगा।

राज्य सरकार सहायक अध्यापकों के साथ कर रही है वादाखिलाफी: विनोद तिवारी

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 2019 के चुनाव में कई गणों से बोला था कि हमारी सरकार बन गयी तो 3 महीने के अंदर में पारा शिक्षकों को सरकारी शिक्षा बना दिया जायेगा।



विनोद तिवारी ने किया। उन्होंने कहा कि सरकार के साथ हमारी वार्ता 28 सितंबर को हुआ था जिसमें सहमति बनी थी कि सहायक अध्यापकों को इपीएफ, अनुकंपा का लाभ, कल्याण कोष का लाभ आदि दिया जायेगा। लेकिन कैबिनेट में इसे पारित नहीं किया गया। इसके पहले मुख्यमंत्री

हेमंत सोरेन जी ने 2019 के चुनाव में कई मंचों से बोला था कि हमारी सरकार बन गयी तो 3 महीने के अंदर में पारा शिक्षकों को सरकारी शिक्षा बना दिया जायेगा। दुर्भाग्य की बात है कि अब अगला चुनाव आ गया और अभी तक सरकार अपने वादे पर अमल नहीं कर रही है। इस तरह के वादा खिलाफी के

कारण झारखंड के सहायक अध्यापकों में भारी आक्रोश है। सरकार के व्यवहार से तंग आकर संघर्ष मोर्चा जिसमें अब डेट उतीर्ण साथी भी शामिल है, संयुक्त रूप से आंदोलन की घोषणा किया है। 14 अक्टूबर सोमवार को झारखंड के सभी जिला मुख्यालय में झारखंड सरकार में शामिल शिक्षा मंत्री बैजनाथ राम, वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव एवं गिरीडीह विधायक सुदीप कुमार सोनू का शव यात्रा निकाला जायेगा इसके बाद इनका पुतला दहन होगा। 15 अक्टूबर दिन मंगलवार पर सहायक अध्यापक हड़ताल पर

रहेगे। 17 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन मुख्यमंत्री आवास घेराव किया जायेगा। हमारी मांग टोईटी उतीर्ण सहायक अध्यापकों का समायोजन किया जाए, आकलन उतीर्ण सहायक अध्यापकों को वेतनमान दिया जाए, प्रशिक्षित और अप्रशिक्षित सहायक अध्यापकों को वेतनमान के समतुल्य मानदेय दिया जाए। प्रेस वार्ता में जनेश्वर सिंह, इमामुद्दीन अंसारी, अजय प्रसाद गुप्ता, नेजामुद्दीन अंसारी, धनन्जय यादव, महेंद्र कुमार सिंह, जयराम उरांव, नाहु बारला, अवध यादव, रामाश्रय प्रसाद, दिलीप तिवारी शामिल हुए।

रेहला में हुई कांग्रेस की आपात बैठक

गठबंधन के तहत कांग्रेस प्रत्याशी को चुनाव लड़ने का प्रस्ताव पारित

आजाद सिपाही संवाददाता
विश्रामपुर/पलामू। रेहला में कांग्रेस की एक आपात बैठक मंगलवार को हुई। जिसमें विश्रामपुर नगर, विश्रामपुर प्रखंड, अंटारी,पांडू और नवाबाजार प्रखंड कमिटी के पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस नगर अध्यक्ष ऋषि पांडेय ने किया। संचालन प्रखंड अध्यक्ष रवींद्र शुक्ला गुड्डू ने किया। बैठक में विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र से गठबंधन के तहत कांग्रेस प्रत्याशी को ही चुनाव में उतारने का प्रस्ताव पारित किया गया। पारित



प्रस्ताव को प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व को भेजा जायेगा। कांग्रेस के प्रदेश महासचिव विजय चौबे ने कहा कि विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र से नौ बार कांग्रेस प्रत्याशी की जीत हुई है। इसलिए इस विस सीट पर कांग्रेस का ही दावा मजबूत है। हाँकी से परे, वेदांता जमीनी स्तर पर तीरंदाजी, कराटे और फुटबॉल सहित विभिन्न खेलों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो देश भर में अच्छी तरह से विकसित प्रतिभाओं को तिरासित करने के लिए हमारे समर्पण को दर्शाता है।

लहर में राजद सिर्फ दो बार ही यहाँ से जीत पायी है। कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष सुधीर चंद्रवंशी ने कहा कि विश्रामपुर कांग्रेस का गढ़ है। बैठक में वरीय जिला उपाध्यक्ष सतोष कुमार चौबे, पूर्णिमा पांडेय, रिकू सिंह, सतीश चौबे उर्फ बालजी चौबे सहित कई कांग्रेसी नेता कार्यकर्ता मौजूद थे। 006

स्पोर्ट्स

वेदांता लिमिटेड ने मंगलवार को कलिंगा लांसर्स के लिए आधिकारिक लाइनअप का अनावरण किया, क्योंकि बहुप्रतीक्षित हॉकी इंडिया लीग (एचआइएल) 2024 सात साल के अंतराल के बाद वापस आ रही है। सात साल के अंतराल के बाद वापस आ रही है।

कुजूर (12.5 लाख रुपये), निकोलस बंदुरक (5 लाख रुपये), फॉरवर्ड: बाँबी सिंह धामी (20 लाख रुपये), दिलप्रीत सिंह (34 लाख रुपये), थियरी ब्रिंकमैन (38 लाख रुपये), अंगद बीर सिंह (रुपये) 26 लाख), रोशन मिंज (2 लाख रुपये), गुरसाहिबजीत सिंह (6 लाख रुपये), दीपक प्रधान (2 लाख रुपये)।

वेदांता ने एचआइएल खिलाड़ी नीलामी में ढबढबा बनाकर कलिंगा लांसर्स के लिए मजबूत टीम बनायी

आजाद सिपाही संवाददाता
धुवनेश्वर। वेदांता लिमिटेड ने मंगलवार को कलिंगा लांसर्स के लिए आधिकारिक लाइनअप का अनावरण किया, क्योंकि बहुप्रतीक्षित हॉकी इंडिया लीग (एचआइएल) 2024 सात साल के अंतराल के बाद वापस आ रही है। खिलाड़ियों की नीलामी में अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद वेदांता ने उभरती प्रतिभाओं और अनुभवी दिग्गजों को मिलाकर एक शानदार टीम तैयार की है, ताकि कलिंगा लांसर्स को आगामी टूर्नामेंट के लिए मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित किया जा सके।

परिणामस्वरूप एक अच्छी लाइनअप तैयार हुई। इसमें एरन जालेव्स्की, अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स और थियरी ब्रिंकमैन जैसे प्रमुख खिलाड़ी शामिल हैं, साथ ही रोसन कुजूर और मुकेश टोप्पो जैसे उभरते युवा भारतीय सितारे सभी पदों पर टीम की ताकत को बढ़ा रहे हैं। टीम के अनुभव और युवा ऊर्जा के संतुलन ने लांसर्स को इस साल के एचआइएल में सबसे प्रतिस्पर्धी टीमों में से एक बना दिया है।

कलिंगा लांसर्स की पूरी टीम :
डिफेंडर: संजय (38 लाख रुपये), मनदीप मोर (19 लाख रुपये), अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स (23 लाख रुपये), आर्थर वान डोरन (32 लाख रुपये), एंटोनी किना (16 लाख रुपये), प्रताप लाकड़ा (2 लाख रुपये), सुशील धनवार (2 लाख रुपये), रोहित कुल्लू (2 लाख रुपये)।
मिडफील्डर : अरन जालेव्स्की (27 लाख रुपये), मोरियांगथम रबीचंद्र (32 लाख रुपये), एनरिक गोंजालेज (10 लाख रुपये), मुकेश टोप्पो (5 लाख रुपये), रोसन

नवगठित टीम पर टिप्पणी करते हुए वेदांता एल्यूमीनियम के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) सुनील गुप्ता ने कहा कि हॉकी भारत की खेल संस्कृति में गहरावी से निहित है और हमें कलिंगा लांसर्स के माध्यम से इसके विकास में योगदान देने पर गर्व है। टीम का मालिक होना और अगली पीढ़ी को प्रेरित करके खेल को और मजबूत करना एक सौभाग्य की बात है। हॉकी से परे, वेदांता जमीनी स्तर पर तीरंदाजी, कराटे और फुटबॉल सहित विभिन्न खेलों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो देश भर में अच्छी तरह से विकसित प्रतिभाओं को तिरासित करने के लिए हमारे समर्पण को दर्शाता है।

रणनीति निदेशक डेविड जॉन ने अपना उत्साह साझा किया। उन्होंने कहा कि हमने एक ऐसी टीम बनायी है, जो न केवल प्रतिभाशाली है बल्कि सफलता के लिए भी गहराई से प्रतिबद्ध है। हमारी रणनीति अनुशासन और तेज गति वाले खेल पर जोर देगी, जिससे स्कोरिंग के अवसरों को अधिकतम किया जा सकेगा। हमारे पास मौजूद बेहतरीन प्रशिक्षण वातावरण और बुनियादी ढांचे के साथ-साथ हमारे सहायक कर्मचारियों की विशेषज्ञता के साथ, मुझे विश्वास है कि टीम चुनौतियों का डटकर सामना करेगी। हमारा लक्ष्य हॉकी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना और इस साल लकड़ में एक मजबूत छाप छोड़ना है।



राज्यपाल ने किया प्रतीक्षित एसजेएस हॉस्पिटल का उद्घाटन



आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। राज्यपाल संतोष गंगवार ने मंगलवार को बहुप्रतीक्षित एसजेएस मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन किया। एसजेएस हॉस्पिटल को पूर्वी भारत का सबसे आधुनिक अस्पताल बताया जा रहा है। इस अवसर पर पूर्व सांसद पीएन सिंह, विधायक राज सिन्हा, रागिनी सिंह और अस्पताल के ऑनर अमरेन्द्र सिंह समेत सैकड़ों लोग उपस्थित

रहे। मीडिया से बात करते हुए अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि इस अत्याधुनिक स्वास्थ्य संस्थान में 19 विभिन्न बीमारियों का इलाज उपलब्ध होगा, जिससे झारखंड के लोगों को इलाज के लिए अन्य राज्यों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि यहां मरीजों को उचित दाम पर बेहतरीन चिकित्सा सेवाएं मुहैया कराई जायेंगी, जो क्षेत्र के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूती प्रदान करेंगी।

मुकेश सिंह की मौजूदगी में सैकड़ों युवाओं ने थामा झामुमो का दामन



आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन में आस्था जताते हुए आज एहसान लायन के नेतृत्व में सैकड़ों युवाओं ने सरायदेला स्थित झामुमो जिला उपाध्यक्ष मुकेश सिंह के कार्यालय पहुंचकर मुकेश सिंह की उपस्थिति में झामुमो का दामन थामा। मुकेश सिंह ने एहसान लायन के साथ-साथ उनके नेतृत्व में सदस्यता ले रहे सभी नये सदस्यों को माला पहनाकर उन्हें पार्टी में शामिल कराया। मुकेश सिंह की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं की एक बैठक हुई। जिसमें आगामी चुनाव की तैयारियों पर जी जान से लग जाने के निर्देश उन्होंने कार्यकर्ताओं को दिए। मुकेश सिंह ने कहा कि

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन लगातार महिलाओं युवाओं के हितों को ध्यान में रखकर योजनाएं ला रहे हैं और आज इसका प्रमाण है कि सैकड़ों युवा मुख्यमंत्री में आस्था रखते हुए पार्टी कि सदस्यता ग्रहण किया है। मुकेश सिंह ने कहा कि हेमंत सरकार ने मंडियां सम्मान योजना के तहत सम्मान राशि को एक हजार रुपये से बढ़ाकर ढाई हजार रुपये करने का ऐतिहासिक फैसला किया है और इसे लेकर मुख्यमंत्री की लगातार राज्य भर में प्रशंसा हो रही है। कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद अब महिला लाभुकों को सालाना मिलने वाली 12 हजार की राशि बढ़कर 30 हजार हो गयी है जोकि दिसंबर से लागू भी होने जा रही है। मुकेश

सिंह ने कहा हमारा एक मात्र लक्ष्य मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के हाथों को मजबूत बनाना है। हम मुख्यमंत्री बनाओ योजना चलाने का संकल्प लें और एक बार फिर से हेमंत सोरेन को झारखण्ड का सीएम बनते देखें। मौके पर एहसान लायन, इम्तियाज अहमद नजमी, उमेश राम, सूरज चौहान, विशेषवर सिंह, शेख अनस, दारा सिंह, लालू सोरेन, संजय चौहान, अमन चौहान, जितेंद्र चौहान, सोफेक अंसारी, लालू सोरेन राजगुल अंसारी, अनवर अंसारी, अरुण अंसारी, नूर मोहम्मद, संजू चौहान आदि उपस्थित उद्घुए। कार्यक्रम का संचालन इम्तियाज अहमद नजमी ने किया।

बर्ड्स गार्डन स्कूल में 29वीं सीनियर महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

राजगंज। बर्ड्स गार्डन स्कूल परिसर में मंगलवार को क्षेत्र के नये थाना प्रभारी अलीशा अग्रवाल के माध्यम से स्कूल प्रबंधन द्वारा 29वीं सीनियर महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने हेतु प्रमाण पत्र और उपहार प्रदान किया गया। इस दौरान अलिशा अग्रवाल ने सभी खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए उनकी कड़े मेहनत और खेल को प्रतिभा की काफी प्रशंसा की। साथ ही प्राचार्य प्रमोद चौरसिया ने इन महिला खिलाड़ियों को झारखंड की टीम में चयन होने के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी और उनके कड़े मेहनत को सैल्यूट किया। साथ ही स्कूल की निदेशिका गौरी चौरसिया ने पुष्पगुच्छ देकर ने



थाना प्रभारी का स्वागत किया और स्कूल की स्काउट एंड एनसीसी बैंड ग्रुप द्वारा थाना प्रभारी और सभी फुटबॉल खिलाड़ियों को मार्च पास्ट और सलामी देकर स्वागत किया गया। स्कूल प्रबंधन की ओर से प्रमोद कुमार चौरसिया ने ट्रायल कैच के मुख्य सलेक्टर के रूप में झारखंड फुटबॉल टीम के मुख्य सलेक्टर और मोहम्मदन स्पॉटिंग

क्लब कोलकाता के पूर्व खिलाड़ी मो निराजउद्दीन और अध्यक्ष ऐके पाल ने टीम कोच पारस करमाली का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इस दौरान स्कूल के सभी छात्राओं व शिक्षक परिवार ने तालियों की गड़गड़हट से सभी खिलाड़ियों का अभिनंदन किया, जिससे सभी खिलाड़ियों में काफी उत्साह देखने को मिल रही थी।

एनएसयूआइ ने रोकी आइआइट्टी आइएसएम की बाउंड्री



आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। मंगलवार को बिना किसी जानकारी के धनबाद आईआईटी आइएसएम ने पीके राय कॉलेज के सामने अपनी बाउंड्री करने की कोशिश की। प्रवक्ता ने बताया बाउंड्री से पीके राय कॉलेज के छात्रों को बहुत परेशानियों का सामना करना पर सकता है तथा कॉलेज में किसी भी प्रकार की आपदा होने पर बाहर निकलने के लिए केवल एक रास्ता है। जिस

कारण आज सभी शिक्षक तथा दर्जनों छात्र के साथ एनएसयूआई ने आंदोलन किया और बाउंड्री होने से रोका। मौके पर मौजूद एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष गोपाल कृष्णा चौधरी, प्रदेश सचिव रवि, विश्वविद्यालय छात्र प्रतिनिधि राज रंजन सिंह, सन्नी सिंह, अनिकेत, रोशन कुमार, पिपुष सिंह, अमन, आयुष, ध्रुव, नवनीत, अभिनाश, वरुण, मुकेश, सचिन तथा अन्य छात्र मौजूद थे।

मंडियां सम्मान योजना की राशि ढाई हजार करने के कैबिनेट के निर्णय का स्वागत, बांटी मिठाई



आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। झारखंड मंडियां सम्मान योजना के तहत सम्मान राशि को एक हजार रुपये से बढ़ाकर ढाई हजार रुपये कर दिए जाने की कैबिनेट से मिली मंजूरी पर झामुमो महिला मोर्चा ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आभार जताते हुए

मंगलवार को रणधीर वर्मा चौक पर अवौर गुलाल लगाकर एवं मिठाई बांटेकर खुशी जाहिर की। झामुमो मिडिया पेनेलिस्ट डॉ नीलम मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री लगातार महिलाओं के सम्मान में नित दिन नये फैसले ले रहे हैं हेमंत सरकार द्वारा चलाई जा रही

यह योजना काबिले तारीफ है। लाखों महिलाएं इससे लाभान्वित हो रही हैं और दिसंबर महीने से लाभुकों के खाते में एक हजार के बजाय ढाई हजार की राशि जायेगी इसे लेकर महिलाओं में जबरदस्त खुशी है और वे मुख्यमंत्री का दिल से आभार जता रहे हैं।

कसमार प्रखंड मुख्यालय में खुला पुस्तकालय



कसमार (आजाद सिपाही)

विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के पुस्तकों का अब अध्ययन आसान हो गया है। प्रखंड के पुराने सभागार में पुस्तकालय का विधिवत उद्घाटन प्रमुख न्योती दे एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी नम्रता जोशी ने फीता काटकर की। इसपर प्रमुख ने कहा गरीब बच्चों को पठन पाठन में इससे काफी सुविधा होगी। गरीब बच्चे पैसे की कमी के कारण महंगे और ज्ञानवर्धक पुस्तक पढ़ने से वंचित हो जाते थे, वो कमी अब पूरा हो जायेगी। वहीं बीडीओ नम्रता ने कहा बच्चों के हर प्रतियोगी परीक्षाओं के पुस्तक उपलब्ध होंगे, वो बेहिक आकर इसका अध्ययन कर कामयाबी हासिल करें। उक्त पुस्तकालय का संचालन डीएमएफटी निधि से किया जाएगा। मौके पर प्रधान सहायक देवानंद चौधरी, पसस प्रिया देवी, पूनम मरांडी, मंजू देवी, दिलीप महतो इत्यादि मौजूद थे।

सांसद दुल्लू महतो ने मां दुर्गा से लिया आशीर्वाद



बोकारो थर्मल (बेरमो)। धनबाद सांसद दुल्लू महतो बोकारो थर्मल स्थित पंच मंदिर पूजा पंडाल पहुंचे जहां मंदिर के पुजारी बनारसी बाबा ने सांसद को विधिवत पूजा पाठ करवाए एवं सांसद ने मां दुर्गा से आशीर्वाद लिया। यहां सांसद श्री महतो के साथ भुनेश्वर प्रसाद साहू, जानकी महतो, कृष्ण मुरारी, जोधन नायक, खिरोधर महतो, अरुण कुमार, सुदामा साव, सुरेश यादव, पिटू, पवन, धीरूज गिरी, पप्पू यादव, उमेश उपाध्य सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव संपन्न करने के लिए जिला प्रशासन तैयार : उपायुक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा ने विधानसभा चुनाव 2024 की घोषणा होने के बाद पत्रकार वार्ता कर मीडिया से कहा कि धनबाद में 22 अक्टूबर 2024 को विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी की जायेगी। नामांकन दखिल करने की अंतिम तिथि 29 अक्टूबर 2024 रहेगी। 30 अक्टूबर 2024 को नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी की जायेगी। वहीं 1 नवंबर 2024 को नाम वापस लेने की अंतिम तिथि रहेगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में धनबाद में 20 नवंबर 2024 को मतदान किया जायेगा। 23 नवंबर 2024 को



मतगणना की जायेगी तथा 25 नवंबर 2024 को चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न करने के लिए जिला प्रशासन ने मुकम्मल तैयारी की है। उन्होंने शहरी एवं युवा वोटों को लोकतंत्र के महापर्व में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की।

साथ ही बताया कि 2019 के विधानसभा चुनाव में धनबाद में 62.28% मतदान हुआ। वहीं लोकसभा चुनाव 2024 में मतदान प्रतिशत 2.53% बढ़कर 64.81% रहा। विधानसभा चुनाव में भी स्वीप एक्टिविटी के तहत मतदाताओं को जागरूक कर मतदान प्रतिशत को और बढ़ाने का जिला प्रशासन का उद्देश्य रहेगा।

16 अक्टूबर को होगा त्रिपक्षीय वार्ता आचार्य सहिता लगने से आंदोलन लिए वापस

आजाद सिपाही संवाददाता

पिछरी (बेरमो)। फुसरो जैनामोड़ मुख्य मार्ग के पेटरवार प्रखंड के पिछरी में ग्रामीणों द्वारा मंगलवार को ओवर लोड हाईवा परिचालन एवं प्रदूषण के खिलाफ पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत फुसरो जैनामोड़ मुख्य मार्ग में छाई व कोयला लोड हाईवा ट्रांसपोर्टिंग का अनिश्चित कालीन चक्का जाम आंदोलन किया। जिसके तहत ग्रामीणों ने सुबह से ही मोर्चा संभालते हुए सड़क पर उतर छाई व कोयला लोड हाईवा को वापस भेजा। चक्का जाम आंदोलन की सूचना पर पेटरवार सीओ अशोक राम, जरीडीह इंस्पेक्टर मुकेश कुमार पांडेय, पेटरवार थाना प्रभारी राजू कुमार मुंडा, जरीडीह थाना प्रभारी बिक्रम कुमार सिंह, बेरमो थाना प्रभारी रोहित कुमार सिंह, एएसआई दुर्गा चंद्र सोरेन दलबल के साथ पिछरी पहुंचे और चक्का



जाम आंदोलन कर रहे ग्रामीणों से मिले। अधिकारियों एवं ग्रामीणों के बीच लगभग एक घंटे तक बातचीत चली। इसके बाद पेटरवार सीओ अशोक राम ने ग्रामीणों से कहा कि बेरमो सीओ ने पत्र जारी कर 16 अक्टूबर को बैठक बुलाई गई है। इसमें दोरी, बीएंडके कथारा क्षेत्र के जीएम व डीवीसी बीटीपीएस के प्रबंधक की उपस्थिति में बैठक होगी। इसमें सभी आंदोलन से जुड़े ग्रामीण को बुलाया गया है। इसलिए चक्का जाम करने का कोई तुक नहीं है। हाईवा परिचालन को न रोके। आपकी मांग पर विचार विमर्श किया जाएगा। ग्रामीण सुरज महतो ने कहा कि दिए गए मांग पत्र में आठ बिंदु पर बेरमो सीओ से आश्वासन मिला था, लेकिन एक

भी बिंदु पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। जिससे ग्रामीण नाखुश होकर आंदोलन करने पर बाध्य हुए। कहा कि पिछरी के ग्रामीणों का अनिश्चित कालीन चक्का जाम आंदोलन जारी रहेगा। अधिकारियों ने ग्रामीणों से कोई बात नहीं की सिर्फ हाईवा वाहन को पिछरी से होकर पार करा दिया। कहा कि चुनाव आचार सहिता लगते ही स्वत आंदोलन वापस हो जायेगी। संध्या पहर चुनाव की घोषणा होने और आदर्श आचार्य सहिता लगने के कारण आंदोलन वापस ले लिया गया है। मौके पर आशीष पाल, संजय मल्लाह, रामभजन लायक, जग्गू मल्लाह, पंकज मिश्रा, मुकुंद सिंह सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

चुनाव की तारीखों की घोषणा होते ही बेरमो की राजनीति हुई गर्म

संदीप कुमार सिंह

फुसरो (बेरमो) (आजाद सिपाही)। दुर्गा पूजा का त्यौहार बितते ही चुनाव आयोग ने झारखंड सहित महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है। चुनाव की घोषणा होते ही आदर्श अचार सहिता लागू हो गया है। पूरे झारखंड में दो चरण में चुनाव होगा। पहला चरण में चुनाव 13 नवंबर को तथा दूसरा चरण में 20 नवंबर को चुनाव होना है। बेरमो विधानसभा 35 का चुनाव दूसरे चरण यानी 20 नवंबर को होगा। मतगणना 23 नवंबर को होना है।



चुनाव की घोषणा होते ही बेरमो में राजनीति माहौल गर्म हो गया है। सबसे ज्यादा कयाश भाजपा उम्मीदवार को लेकर सब की बनी हुई है। सभी को भाजपा उम्मीदवार की घोषणा की बेचैनी और बेताबी

से इंतजार है। सब यह देखना चाहते हैं की इंडी गठबंधन के उम्मीदवार मौजूद विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह को टिकट नहीं देती है तो वह जयमंगल महतो के पार्टी से उम्मीदवार होने का संकेत मिल

टिकी है। इसमें उम्मीदवार के रूप में पूर्व सांसद रवींद्र कुमार पांडेय, पूर्व विधायक योगेश्वर महतो बादल, बेरमो प्रखंड प्रमुख गिरिजा देवी, युवा नेता प्रकाश सिंह तथा लक्ष्मण नायक मुख्य रूप से शामिल है। साथ ही जयराम महतो के झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा पर भी सबकी निगाहें होंगी। मिली सूत्रों के अनुसार अगर भाजपा पूर्व विधायक योगेश्वर महतो बादल को टिकट नहीं देती है तो वह जयमंगल महतो के पार्टी से उम्मीदवार होने का संकेत मिल

हैं। वहीं गिरिजा देवी का भी चुनाव लड़ने का संकेत मिल रहा है। इधर मौजूदा विधायक कुमार जयमंगल के लिए भी चुनौती कम नहीं है। बेरमो कांग्रेस का गढ़ माना जाता है। ऐसी स्थिति में अनूप सिंह को अपने पिता पूर्व मंत्री स्वर्गीय राजेंद्र प्रसाद सिंह की बगिया को बचाए रखना की जिम्मेवारी होगी। 2020 के उपचुनाव में अनूप सिंह ने 94022 (49.36 प्रतिशत) वोट लाकर भाजपा के पूर्व विधायक योगेश्वर महतो बादल 79797 (41.89 प्रतिशत) को हराकर यह सीट जीती और पहली बार बेरमो के विधायक बने थे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त का कार्यालय, कोडरमा (प्रशिक्षण कोषाग)

विधानसभा आम चुनाव, 2024
आगामी विधानसभा चुनाव 2024 के स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं सफल संपन्न कराने हेतु कोडरमा जिला अन्तर्गत सभी मतदान कर्मियों को निम्न तिथि के अनुसार प्रशिक्षण दिया जाना है जिसमें सभी मतदान कर्मियों को उपस्थिति अनिवार्य है।

क्र०	स०	प्रखण्ड का नाम	तिथि	समय	स्थान
01		कोडरमा प्रखण्ड के सभी कर्मी	16.10.2024	10:00 बजे पूर्वाह्न से 12:00 बजे मध्याह्न तक	
				12:30 बजे अपराह्न से 2:30 बजे अपराह्न तक	
02		मरकच्चो प्रखण्ड के सभी कर्मी	17.10.2024	3:30 बजे अपराह्न से 5:30 बजे अपराह्न तक	
				10:00 बजे पूर्वाह्न से 12:00 बजे मध्याह्न तक	
03		चन्द्रबारा प्रखण्ड के सभी कर्मी सतगाँव प्रखण्ड के सभी कर्मी	18.10.2024	12:30 बजे अपराह्न से 2:30 बजे अपराह्न तक	
				10:00 बजे पूर्वाह्न से 12:00 बजे मध्याह्न तक	
04		डोमचीच प्रखण्ड के सभी कर्मी जयनगर प्रखण्ड के सभी कर्मी	19.10.2024	3:30 बजे अपराह्न से 5:30 बजे अपराह्न तक	
				10:00 बजे पूर्वाह्न से 12:00 बजे मध्याह्न तक	
				12:30 बजे अपराह्न से 2:30 बजे अपराह्न तक	
				10:00 बजे पूर्वाह्न से 12:00 बजे मध्याह्न तक	

उक्त के आलोक में सभी कार्यालय प्रधान को निदेश दिया जाता है कि अपने कार्यालय में कार्यरत कर्मियों (सरकारी/सिविल) को उक्त प्रशिक्षण में ससमय भाग लेना सुनिश्चित करायेगे।

डॉ भारती कश्यप को मिला सामाजिक परिवर्तन पुरस्कार

राष्ट्रीय महिला नेत्र चिकित्सक सोसाइटी ने किया सम्मानित

बेस्ट सर्जिकल वीडियो के लिए भी किया गया सम्मानित नयी दिल्ली में दिया गया सामाजिक परिवर्तन पुरस्कार सर्वाइकल कैंसर के उन्मूलन में अमूल्य योगदान रहा नेत्रदान जागरूकता पर पूरे राज्य में काम किया महिलाओं की कैंसर जांच का झारखंड मॉडल



भाजपा की पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता नूपुर शर्मा से महिला नेत्र चिकित्सक सोसाइटी का सामाजिक उत्पीड़क सम्मान ग्रहण करती डॉ भारती कश्यप।

आजाद सिपाही संवाददाता रांची। पूर्वी भारत की प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ भारती कश्यप को गत 7 अक्टूबर, 2024 को नयी दिल्ली में महिला नेत्र रोग विशेषज्ञ सोसाइटी द्वारा सामाजिक परिवर्तन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान उनके सामाजिक योगदान के लिए प्रदान किया गया है। नयी दिल्ली में एक भव्य समारोह में सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता एवं भाजपा की पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता नूपुर शर्मा द्वारा प्रदान किया गया।

डॉ भारती कश्यप वर्ष 1991 में डाक्टर की पढ़ाई पूरी करने के बाद से ही नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में जागरूकता और समाज सेवा से जुड़ गयी थीं। अब तक करीब 20 लाख से अधिक स्कूली छात्रों को इसका फायदा झारखंड में मिला है। यह वह दौर था जब लोगों में नेत्रदान के प्रति कोई जागरूकता नहीं थी। इस सामाजिक आवश्यकता को समझते हुए डॉ

लेकिन प्रभावी रणनीति झारखंड मॉडल की अवधारणा तैयार की, जो झारखंड की महिलाओं के लिए फायदेमंद साबित हुआ है। झारखंड में पहली बार प्रजनन आयु वर्ग की 2.70 लाख महिलाओं की जांच करने के राज्य सरकार के लक्ष्य के मुकाबले, अप्रैल 2021 से जुलाई 2024 के बीच प्रजनन आयु वर्ग की कुल 4,05,749 महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जांच की गयी। डॉ भारती कश्यप के प्रयासों से झारखंड में धीरे-धीरे एक बड़ा सामाजिक बदलाव आ रहा है क्योंकि दूरदराज के ग्रामीण इलाकों में महिलाएं न केवल प्रजनन स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक हो रही हैं बल्कि हजारों अन्य लोगों को गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर जैसी घातक बीमारियों के प्रति जागरूक भी कर रही हैं। कांग्रेस में बेस्ट सर्जिकल वीडियो का अवार्ड भी डॉ भारती कश्यप को मिला।

बाली यात्रा प्लॉट पंजीकरण शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता भुवनेश्वर। कटक बाली यात्रा 15 नवंबर से शुरू होगी। बाली यात्रा प्लॉट पंजीकरण मंगलवार से शुरू हो गया है। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 25 अक्टूबर तक जारी रहेगी रजिस्ट्रेशन हाइब्रिड और ऑनलाइन होगा। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया सुबह 10 बजे से शाम 5

बजे तक चलेगी। पंजीकरण में 10 टीमें लगी हुई हैं। कारोबारी 5 हजार रुपये देकर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। कटक बारबाटी पैलेस में रजिस्ट्रेशन चल रहा है। प्लॉट की नीलामी 27 अक्टूबर से शुरू होगी। जिला संस्कृति अधिकारी नलिनीकांत साहू ने बताया कि इसके अलावा व्यापारी घर बैठे

ऑनलाइन वेबसाइट पर भी पंजीकरण करा सकते हैं। इस साल 1100 प्लॉट नीलामी प्रक्रिया में शामिल किये जायेंगे। जिला संस्कृति पदाधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा भूमि निबंधन एवं नीलामी अथवा आवंटन के सभी पहलुओं पर शांतिपूर्ण तरीके से निगरानी रखी गयी है।

टेक इवेंट : इंडिया मोबाइल कांग्रेस के आठवें एडिशन की शुरुआत भारत का मिशन दुनिया को जोड़ना : मोदी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अक्टूबर को इंडिया मोबाइल कांग्रेस के आठवें एडिशन की नयी दिल्ली में शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज दूसरे देशों में मोबाइल डेटा की कीमत भारत की तुलना में दस गुना महंगी है। भारत का एक ही मिशन है- दुनिया को जोड़ना। इस टेक इवेंट में दुनियाभर के 120 से ज्यादा देश हिस्सा ले रहे हैं। 400 से ज्यादा एग्जिबिटर और लगभग 900 स्टार्टअप भी शामिल हुए हैं। आइएमसी 2024 के एग्जीबिशन में पीएम मोदी को टेक इनोवेशन्स दिखाये गये। पीएम मोदी के साथ केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी थे। पीएम मोदी ने वर्ल्ड टेलीकम्युनिकेशन स्टैंडर्डाइजेशन असेंबली (डब्ल्यूटीएसए) 2024 का भी उद्घाटन किया, जिसे पहली बार भारत और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन ने आयोजित किया है। 190 से अधिक देशों के 3,000 से अधिक प्रतिनिधि



इसमें शामिल हुए हैं।

6जी तकनीक पर भी तेजी से काम

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले दस साल में भारत ने जो ऑप्टिकल फाइबर बिछाये हैं, वे चंद्रमा और पृथ्वी के बीच की दूरी से आठ गुना अधिक हैं। दो साल पहले, हमने 5जी लॉन्च किया था। आज

हर जिला 5जी से जुड़ गया है। अब हम 6जी तकनीक पर भी तेजी से काम कर रहे हैं। दूरसंचार क्षेत्र में सुधारों से इंटरनेट डेटा की कीमतों में गिरावट आयी है। आज भारत में मोबाइल डेटा की कीमत 12 सेंट प्रति जीबी है। दूसरे देशों में एक जीबी डेटा दस गुना महंगा है। आज भारतीय हर महीने औसतन 30 जीबी डेटा का उपभोग करते हैं। फोन तब तक

सस्ते नहीं हो सकते थे, जब तक कि हम उन्हें भारत में निर्मित नहीं करते। 2014 में केवल दो मोबाइल मैनुफैक्चरिंग यूनिट थीं। आज यह 200 से अधिक हैं। पहले हम विदेशों से स्मार्टफोन आयात करते थे। अब, हम भारत में छह गुना अधिक फोन बनाते हैं। जन धन, आधार और यूपीआइ का उदाहरण देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ओपनडीसी डिजिटल

भारत में 120 करोड़ मोबाइल यूजर्स

पीएम मोदी ने कहा कि हमने कोविड-19 के दौरान देखा कि कैसे हमारे डिजिटल प्लेटफॉर्म ने जीवन को आसान बना दिया है। आज भारत टेलीकॉम और उससे जुड़ी टेक्नोलॉजीज के मामले में दुनिया के सबसे हैपिंग देशों में से एक है। भारत में 120 करोड़ यानी 1200 मिलियन मोबाइल फोन यूजर्स हैं। भारत में 95 करोड़ यानी 950 मिलियन इंटरनेट यूजर्स हैं। भारत में दुनिया का 40% से ज्यादा का रियल टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन होता है। प्राचीन सिल्क रूट से लेकर आज के टेक्नोलॉजी रूट तक भारत का एक ही मिशन रहा है- दुनिया को कनेक्ट करना और नये रास्ते खोलना। ऐसे में डब्ल्यूटीएसए और आइएमसी की साझेदारी भी प्रेरक और शानदार मैसेज है। जब लोकल और ग्लोबल का मेल होता है, तब पूरी दुनिया को इसका लाभ मिलता है। यही हमारा लक्ष्य है।

जमीन खरीदने और बेचने के नियमों में बदलाव पर विचार : सुरेश पुजारी

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। संबलपुर ओड़िशा में जमीन की खरीद-बिक्री से जुड़े नियमों को आसान बनाने की दिशा में रीयल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) के कुछ नियमों को हटाने पर राज्य सरकार विचार कर सकती है। यह जानकारी राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने संबलपुर दौर के दौरान दी। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर शहरी विकास विभाग के साथ चर्चा की जा चुकी है। सुरेश पुजारी ने कहा कि रera के कानून काफी जटिल हैं। कोई भी व्यक्ति आपातकालीन स्थिति जैसे चिकित्सा, बच्चों की शिक्षा या बेटे



की शादी के लिए जमीन नहीं बेच पाता। इसलिए रera में बदलाव की आवश्यकता है। हमारा विभाग शहरी विकास विभाग के साथ मिलकर इस पर विचार कर रहा है कि कैसे इन नियमों को सरल बनाया जा सके। संबलपुर में कलेक्टर के साथ

बैठक के बाद मंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि मैंने पंजीकरण महानिरीक्षक (आइजीआर) को शहरी विकास और राजस्व विभागों के बीच बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया है, ताकि ओड़िशा रera अधिनियम में संभावित बदलावों पर चर्चा की जा सके। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में रीयल एस्टेट विकसित करना चुनौतियों से भरा है, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भूखंडों को शहर की विकास योजना के अनुसार बेचा जाना चाहिए। हालांकि, आपात स्थिति और संकट के दौरान भूमि का एक हिस्सा बेचा जा सकता है।

खोरधा रोड मंडल और संबलपुर मंडल में स्वच्छता पखवाड़ा का समापन



खोरधा रोड (आजाद सिपाही)। खोरधा रोड मंडल ने 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया, जिसमें रेलवे स्टेशनपरिसरों, ट्रेनों, कार्यालयों, कैटीनों, फूड स्टॉलों और रेलवे आवासीय कॉलोनियों आदि में सफाई पर विशेष ध्यान दिया गया। देश को साफ-सुथरा रखकर भारत की सेवा करने और महात्मा गांधी के स्वच्छता और विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए आम जनता में जागरूकता पैदा की गयी है। इस 15 दिवसीय अभियान के दौरान, विभिन्न गहन स्वच्छता गतिविधियां शुरू की गयीं। स्वच्छ स्टेशन के अंतर्गत सभी प्लेटफॉर्म, वेटिंग हॉल, डॉक्ट्री, रिटायरिंग रूम, पार्सल ऑफिस, ट्रेक आदि की सफाई सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया गया। खोरधा रोड के मंडल रेल प्रबंधक एचएस बाजवा ने कहा कि रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में स्वच्छता बनाये रखने के लिए निरंतर प्रयास किये जायेंगे। उन्होंने सभी रेल उपयोगकर्ताओं से अनुरोध किया कि वे रेलवे परिसर में स्वच्छता बनाये रखने में रेलवे की मदद करें।



संबलपुर (आजाद सिपाही)। संबलपुर मंडल में बीते 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा स्वच्छता पखवाड़ा-2024 का आयोजन किया गया। संबलपुर मंडल ने 2 अक्टूबर को मंडल रेल प्रबंधक, संबलपुर तुषार कौत पांडेय के नेतृत्व में संबलपुर और संबलपुर स्टेशन परिसर में अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बड़े पैमाने पर सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान संबलपुर के अपर मंडल रेल प्रबंधक आनंद सिंह ने स्वच्छ जागरूकता पर रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलायी। स्वच्छ संवाद पर हाउसकीपिंग कर्मचारियों के बीच एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। स्वच्छ स्टेशन के अंतर्गत विभिन्न स्टेशनों पर सफाई अभियान चलाया गया। स्वच्छ प्रतियोगिता के अंतर्गत कर्मचारियों के बच्चों के बीच एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्लास्टिक के एकल उपयोग पर प्रतिबंध का उल्लंघन करने पर विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर विक्रेता स्टॉलों को दंडित करने के लिए विशेष अभियान चलाया गया।

प्रकाशित

बहुविधक अतिरिक्त विषय, रवीं द्वारा आयोजित वर्क-शॉप की बीसवीं परीक्षा-2025 के लिए

वर्मा प्रेस प्राइम लिमिटेड, रांची द्वारा

वर्मा गोस

CLASS - X

2025

बहुविधकपीय एवं विषयलिच्छ प्रश्नोत्तर

बोर्ड परीक्षा के लिए

VERMA PRESS PVT. LTD.,
4, B. G. STREET, THAPAKHANA,
RANCHI (JHARKHAND) - 834 001

Hindi, English,
Mathematics, Science,
Social Science and Sanskrit

All Subjects Combined in ONE BOOK

50% off on MAKING CHARGE

भारी छूट एवं आकर्षक उपहार

● GOLD ● SILVER ● DIAMOND

SONI JEWELLERS

Opp. Election Office Ratu Road, Ranchi - 834001
Mob.: +91 9955526560, +91 9431143722

सोआ ने हाइडेनमेट समाधानों के साथ किया एमओयू

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। शिक्षा 'ओ' अनुसंधान डीमड यूनिवर्सिटी (सोआ) ने मंगलवार को बेंगलुरु स्थित हाइडेनमेट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ कृषि में ज्ञान उत्पन्न करने और किसानों को अत्याधुनिक सटीक कृषि समाधानों तक सस्ती पहुंच प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए संयुक्त कार्यक्रम शुरू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये। सहयोग का मुख्य उद्देश्य बीज बोनो से लेकर कटाई तक विभिन्न फसलों की प्रभावी निगरानी में ज्ञान उत्पन्न करना, जल-तनाव, पोषण-तनाव, कीट, बीमारियों के प्रबंधन के लिए सबसे सटीक सलाह प्राप्त करने के लिए



दस्तावेजी बुद्धिमत्ता के साथ फसलों की वास्तविक समय की स्थिति की तुलना करना है। कीट और कवक के हमले और अच्छी गुणवत्ता वाली उपज की अधिकतम उपज सुनिश्चित करना। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, दोनों पक्षों के बीच संयुक्त रूप से स्पष्ट लक्ष्यों, दृष्टिकोण, निष्पादन समय-सोमा और वित्तीय आदानों

के साथ सेमिनार और कार्यशालाओं सहित आउटरीच गतिविधियों के साथ कई शोध परियोजना प्रस्ताव आयोजित किये जायेंगे। समझौता ज्ञापन पर सोआ के कुलपति प्रो प्रदिप कुमार नंद और हाइडेनमेट सॉल्यूशंस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भास्करन रंगराजन ने हस्ताक्षर किये।

LAKSHMI VASTRALAY

अच्छे से अच्छा फिर भी सस्ता **फैन्सी**

हमारे यहाँ फैन्सी साड़ी, लहंगा, सूट सभी तरह के वस्त्र उचित दामों में मिलते हैं।

7033265646

Coal Board Colony, Near Dy.SP Bungalow
Police Line Hirapur, Dhanbad

LOOKS

Guest Appearance
ACTRESS
Yukti Kapoor

FashionPoint
FASHION | STYLE | LUXURY

PRESENTS
OPULENT DIWALI & BRIDAL BAZAR

15th / 16th OCT
TUESDAY - WEDNESDAY
HOTEL RADISSON BLU
RANCHI

Chief Guest
Dr. Mahua Maji
(Member of the Rajya Sabha)

For More Details
7779-984-444

PARTNERS
Dresses | SAUNDH |

Asarfi Hospital
आपका अपना सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल

Department of Gastroenterology

हमारा लक्ष्य
धनबाद फर्स्ट

Dr. Sanjay Kumar Singh
MBBS, MD, DNB (Gastroenterology)
Consultant Gastroenterology
Endoscopy | Colonoscopy | ERCP

प्रतिदिन - सोमवार से हरिवार
समय - सुबह 10 बजे से 4 बजे तक

7808368888

Baramuri, P.O.: Bishunpur Polytechnic, Dhanbad- 828130

S M Toy & School Furniture

Everything From A to Z For School, Playground, Playschool Park Playzone, Malls, Backyard, Recreation Zone, Society & Anganwadis

एक बार जरूर प्यारे

Old Bank Colony, RMHC Road, Near Sadhu Maidan Shop
Add.: Industrial Area Kokar, Ranchi- 834001 (Jharkhand)
Mob. 7603729696, 9206624669